भोपाल, ग्वालियर, झांसी एव शिवपुरी से एक साथ प्रकाशित
RNI-MPHIN/2016/71355
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस

भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, झॉसी (मध्य प्रदेश. उत्तर प्रदेश) से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं

वर्ष : 10 अंकः 241 | भोपाल,शुक्रवार 20 जून 2025 | navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपया

सिकल सेल उन्मूलन, सबके विश्वास, साथ और प्रयास से होगा : राज्यपाल श्री पटेल

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में है जनजातीय समाज की समस्याओं के प्रति तीव्र वेदना

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिये आवश्यक है कि प्रभावित क्षेत्रों के सभी लोग जांच अवश्य कराएं

विवाह के लिये कुंडली के साथ वर-वधु का सिकल सेल जेनेटिक कार्ड भी मिलाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को समूल खत्म करने का है संकल्प

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान में अब तक प्रदेश के 1 करोड़ 6 लाख नागरिकों की स्क्रीनिंग हुई पूर्ण

बड़वानी जिला सर्वाधिक सिकल सेल एमीनिया प्रभावित, सिकल मित्र तैनात किए गए

मुख्यमंत्री ने खरगोन में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की, निमाड़ अंचल को मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी में हुआ राज्य स्तरीय सम्मेलन

भोपाल एजेंसी। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल के संपूर्ण उन्मूलन के लिए हम सबकी सक्रिय सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से ही रोग का उन्मूलन होगा। राज्यपाल श्री पटेल विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर बड़वानी में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर से वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का प्रदेश की जनता के नाम संदेश और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों पर आधारित अभिनंदन-पत्र का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा वाचन किया गया। जनजातियों के कल्याण का स्वर्ण काल राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जनजाति जीवन के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित और संवेदनशील व्यक्तित्व है। उनके नेतृत्व में भारत में जनजाति कल्याण का स्वर्ण युग चल रहा है। सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत प्रदेश सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के लिए राज्य सरकार की पूरी टीम को बधाई दी। सिकल सेल के उन्मूलन के लिए दिए मंत्र राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन के लिए जागरूकता सर्वाधिक आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विवाह के पूर्व युवक-युवती अपने जेनेटिक कार्ड का मिलान ज़रूर करें। इसी प्रकार गर्भावस्था में माँ और बच्चे की सिकल सेल जाँच और जन्म के 72 घंटों में नवजात की जाँच किया जाना ज़रूरी है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल से पीड़ित रोगी और वाहकों से भी अपील की है कि वे नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार और चिकित्सक की सलाह अनुसार दवाइयाँ लें।

ट्रंप भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश तो नहीं कर रहे? राउत ने उठाए सवाल

महिलाओं का सिंदूर मिटाने वाला मुनीर व्हाइट हाउस में उड़ा रहा दावत

मुंबई, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अमेरिका यात्रा पर भारत में सियासत शुरु हो गई है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के सहयोगी दल शिवसेना (यूबीटी) ने सवाल उठाए हैं कि मुनीर और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बैठक पर भारत सरकार की ओर से जवाब नहीं आया है। साथ ही उन्होंने आशंका जताई है कि क्या ट्रंप भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश तो नहीं कर रहे हैं। गुरुवार को राज्यसभा शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि जनरल मुनीर पाकिस्तान का जनरल आज राष्ट्रपति ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में खाना खा रहा है। उसको खास निमंत्रित दिया गया है। हम इस पर पीएम मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की राय जानना चाहते हैं।

सरकार की भूमिका साफ नहीं

इस दौरान राउत ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ये जनरल मुनीर को ट्रंप सम्मान देते हैं व्हाइट हाउस में उसके साथ डिनर करते हैं। अब तक हमारी सरकार की भूमिका साफ नहीं है। आपने जो ऑपरेशन सिंदूर किया है, ये उनकी वजह से हो रहा है। यह हमारे देश के लिए चौंकाने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

180 यात्रियों को लेकर दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो फ्लाइट की हुई इमर्जेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एक के बाद एक फ्लाइट में समस्याएं सामने आ रहीं हैं। आए दिन कहीं न

कहीं इमर्जेंसी लैंडिंग की खबरें आ रहीं हैं। 180 यात्रियों को लेकर दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो की फ्लाइट इमर्जेंसी लैंडिंग कराना पड़ी। दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई2006 को गुरुवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण इमर्जेंसी लैंडिंग करवाई गई। विमान को वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया। विमान में कुल 180 यात्री सवार थे, जिनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पायलट ने यह फैसला लिया। जानकारी के अनुसार, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरी थी, लेकिन लेह की ओर बढ़ते वक्त तकनीकी समस्या का पता चला। पायलट ने तुरंत हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क किया और इमर्जेंसी घोषित की। इसके बाद विमान को वापस दिल्ली लौटाया गया, जहां तकनीकी टीम जांच में जुट गई है। इंडिगो एयरलाइंस ने अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। यात्रियों में से कुछ ने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा किया। इसमें उन्होंने बताया कि विमान में अचानक चेतावनी सायरन बजा और हल्की कंपन महसूस हुई। हालांकि, क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को शांत रहने और सुरक्षा बेल्ट बांधने की सलाह दी। दो दिन पहले 17 जून को गोवा से लखनऊ जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। एक महिला यात्री ने विमान के भीतर से वीडियो रिकॉर्ड कर डीजीसीए से शिकायत की थी कि उड़ान भरने के तुरंत विमान ने अल्टीट्यूड खो दिया। इस कारण विमान के भीतर अफरातफरी पैदा हो गई।

अहमदाबाद, वापी में भारी बारिश, घरों-दुकानों में पानी घुसा:5 जिलों में रेड अलर्ट; जयपुर में सड़कें लबालब, बूंदी के अस्पताल में पानी भरा

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून ने देश के 75 फीसदी हिस्से को कवर कर लिया है। गुजरात, राजस्थान और झारखंड में भारी बारिश हो रही है। पूर्वी क्क के 13 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी है। गुजरात के अहमदाबाद, वापी और राजकोट में गुरुवार को भारी बारिश से सड़क, घरों और दुकानों में पानी भर गया है। सावरकुंडला, राजुला में स्थानीय नदियां उफान पर आ गई हैं। नवसारी, वलसाड, डांग, दमण और दादरा नगर हवेली के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के 5 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। जयपुर, बूंदी और कोटा में भी बारिश हो रही है। बूंदी में 6.7 मिमी बारिश हुई। यहां के सरकारी अस्पताल में पानी भर गया। झारखंड के जमशेदपुर में भारी बारिश के चलते घरों में पानी घुस गया। रांची के सभी स्कूल गुरुवार को बंद रहे। बुधवार को खराब मौसम के कारण रांची से 4 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं। मध्यप्रदेश के 54 जिलों में मानसून पहुंच गया है। इंदौर में तेज तो भोपाल में रिमझिम बारिश हुई। ग्वालियर और चंबल में भारी बारिश का अलर्ट है।

ईरान का परमाणु सामान क्या पाकिस्तान पहुंचा सकता है अमेरिका

-ट्रम्प-मुनीर व्हाइट हाउस मुलाक़ात के भीतर की कहानी

वॉशिंगटन,एजेंसी।

इज़राइल-ईरान युद्ध की आहट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर की हालिया व्हाइट हाउस बैठक ने कूटनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। बैठक, जो एक अनौपचारिक लंच के रूप में आयोजित की गई, पर अब पूर्व पेंटागन अधिकारी और अमेरिकन एंटरप्राइज़ इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ विश्लेषक माइकल रूबिन के खुलासों ने नई बहस छेड़ दी है।

दरअसल रूबिन का दावा है कि ट्रम्प प्रशासन पाकिस्तान को ÷पसंदीदा मित्र÷ बताकर रणनीतिक सौदा करना चाहता है। उनके अनुसार, यदि अमेरिका-इज़राइल गठजोड़ ईरान के परमाणु ठिकानों पर निर्णायक कार्रवाई करता है, तो वहां बची-खुची संवेदनशील परमाणु सामग्री को पाकिस्तान में अस्थायी रूप से रखा जा सकता है। रुबिन ने कहा है कि ट्रम्प पाकिस्तान को दोस्त इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उन्हें उस दोस्ती से फ़ायदा उठाना है। इसी के साथ रूबिन ने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान आज स्वतंत्र नहीं, बल्कि चीन का प्रॉक्सी बन चुका है। ऐसे में संभव है कि मुनीर ने व्हाइट हाउस में बीजिंग के संदेश भी पहुँचाए हों। चीन की सबसे बड़ी चिंता फारस की खाड़ी से होने वाली तेल आपूर्ति पर संभावित बाधा है; लंबा युद्ध उसकी अर्थव्यवस्था को अमेरिका से कहीं ज़्यादा चोट पहुँचा सकता है।

रूबिन आगाह करते हैं कि अमेरिका को पाकिस्तान को एक डॉलर भी नहीं देना चाहिए, क्योंकि वह अपने स्वार्थ में ही साथ देगा। दूसरी ओर, यदि वाकई ईरान का परमाणु जखीरा हटाना पड़ा, तो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा-तंत्र को किसी विश्वसनीय तीसरे देश की आवश्यकता होगी। क्या यह भूमिका पाकिस्तान निभाएगा या कोई और–अभी स्पष्ट नहीं, पर ट्रम्प-मुनीर लंच ने विकल्पों के दरवाज़े ज़रूर खोल दिए हैं।

दबाव और 'दोस्ती' का दोहरा फार्मूला

रूबिन का मानना है कि ट्रम्प, जनरलों से प्रभावित रहते हैं; लिहाज़ा पाकिस्तान के निर्वाचित नेतृत्व से अधिक मुनीर उन्हें उपयोगी लगते हैं। हो सकता है निजी मुलाक़ात में ट्रम्प ने कड़वी चेतावनी दी हो और सार्वजनिक मंच पर दोस्ती की मिठास दिखाई हो।

रणनीतिक लिहाज़ से क्यों अहम है पाकिस्तान

900किमी सीमा–पाकिस्तान–ईरान बॉर्डर अमेरिकी सेनाओं को ज़मीनी या हवाई अभियानों के लिए अग्रिम आधार दे सकता है।

एयरस्पेस एक्सेस– अफ़ग़ानिस्तान युद्ध की तरह, अमेरिकी बमवर्षक और ड्रोन ईरान के पूर्वी मोर्चे पर अधिक सहजता से पहुँच पाएंगे।

लॉजिस्टिक नेटवर्क– कराची और ग्वादर बंदरगाहों के माध्यम से उभरता नौसैनिक सहयोग अमेरिका को मध्य-पूर्व में लचीलापन देगा। ट्रम्प ने हाल में इस्लामाबाद को पसंदीदा मित्र कहा है। कूटनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यही सौहार्दपूर्ण बयान आगे चलकर राजनयिक दबाव में बदल सकता है।

ईरान के अंत का समय आ गया क्या, अमेरिका आसमान में उड़ान भरने लगा प्रलय जेट

वाशिंगटन के जल्दी ही ईरान-इजरायल युद्ध में शामिल होने की अटकलें तेज

वॉशिंगटन, एजेंसी।

इजरायल और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का डूम्सडे प्लेन कहे जाने वाले सैन्य विमान ई-4बी ने उड़ान भरी है। यह जेट अमेरिका में उड़ान भरते हुए दिखाई दिया है। इससे वॉशिंगटन के जल्दी ही ईरान-इजरायल युद्ध में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। ई-4बी नाइटवॉच एयरक्राफ्ट परमाणु हमले जैसे बड़े संकट के दौरान अमेरिका के शीर्ष सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व को बचाने के लिए तैयार किया गया है। इस विमान का उड़ान भरना और आर्डर01 नाम के नए कॉलसाइन का उपयोग करने ने इन अटकलों को हवा दी है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ लड़ाई में उतरने को तैयार है।

ई-4बी नाइटवॉच ने अमेरिका के लुइसियाना में बार्क्सडेल एयरफोर्स बेस से उड़ान भरी और चार घंटे तक हवा में रहने के बाद रात 10 बजे के तुरंत बाद मैरीलैंड में जॉइंट बेस एंड्रयूज पर उतरा। इसके अलावा इस उड़ान में सामान्य आर्डर6 के बजाय एक नए कॉलसाइन आर्डर01 का इस्तेमाल हुआ, जिसका पहले कभी उपयोग नहीं हुआ है। इसके बाद सवाल है कि ईरान-इजरायल युद्ध में क्या कुछ भयावह होने जा रहा है।

अमेरिकी जेट ई-4बी विमान नियमित रूप से ऑपरेशनल तैयारी की जांच के लिए उड़ान भरते रहते हैं लेकिन इस विशेष उड़ान का समय ध्यान खींच रहा है। विमान ने तब उड़ान भरी, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की है और इजरायल को लिए पूर्ण समर्थन का वादा कर दिया है। अमेरिका का ई-4बी डूम्सडे प्लेन (प्रलय का जेट) के नाम से मशहूर है।

ऑपरेशन सिंधु से लौटी खुशियों की मुस्कान

ईरान से110 भारतीय छात्रों को निकाला

नई दिल्ली, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच हो रही बमबारी में सैकड़ों छात्रों की जान खतरे में थी। केंद्र की मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंधु चलाकर इन्हे निकालने का काम शुरु कर दिया है।

भारत ने ईरान में फंसे 110 भारतीयों की सुरक्षित वापसी करवाई है। ऑपरेशन सिंधु के तहत इन भारतीय छात्रों को लेकर पहला विमान गुरुवार को आर्मेनिया के येरेवन से नई दिल्ली पहुंचा। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि तेहरान में रहने वाले छात्रों को भारतीय दूतावास के साथ मिलकर सुरक्षित रूप से निकाला गया है। विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान जारी कर कहा, भारतीय दूतावास की मदद से तेहरान में भारतीय छात्रों को शहर से बाहर निकाल लिया गया है।

भारतीय अधिकारियों ने भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए ईरान और अर्मेनिया की मदद की सराहना भी की है। बता दें कि संघर्ष शुरू होने के बाद से ही ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है, जिससे फंसे नागरिकों की मुसीबतें और बढ़ गईं। वहीं आस पास के देशों में भी दर्जनों एयरपोर्ट बंद कर दिए गए हैं। इसके बाद भारत ने नागरिकों की वापसी के लिए ईरान से बॉर्डर तक सुरक्षित रास्ता मुहैया कराने का अनुरोध किया था।

पीएम मोदी ने क्रोएशिया के राष्ट्रपति ज़ोरान पट्टचित्र पेंटिंग और सिल्वर कैंडल स्टैंड उपहार में दिया

भारत और क्रोएशिया लोकतंत्र, कानून शासन जैसे साझा मूल्यों से जुड़े हुए हैं

जाग्रेब, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रोएशिया की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान क्रोएशिया के राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविच को एक पट्टचित्र पेंटिंग उपहार के तौर पर दी। पट्टचित्र ओडिशा का एक सुंदर पारंपरिक कला रूप है, जो कपड़े पर अपनी विस्तृत और रंगीन पेंटिंग के लिए मशहूर है। इसका नाम पट्टा (कपड़ा) और चित्र (चित्र) से आया है। ये कलाकृतियाँ आमतौर पर भारतीय पौराणिक कथाओं, खासकर भगवान कृष्ण और जगन्नाथ परंपरा से जुड़ी कहानियाँ दिखाती हैं। कलाकार बोल्ड लाइन और विस्तृत दृश्य बनाने के लिए प्राकृतिक रंगों और हस्तनिर्मित ब्रश का प्रयोग करते हैं।

इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने क्रोएशिया के प्रधानमंत्री प्लेंकोविच को सिल्वर कैंडल स्टैंड उपहार में दिया। राजस्थान का यह सिल्वर कैंडल स्टैंड इस क्षेत्र की पारंपरिक धातु कला का एक सुंदर उदाहरण है। कुशल कारीगरों द्वारा हस्तनिर्मित, इसमें सदियों पुरानी उत्कीर्णन तकनीकों का उपयोग करके बनाए गए विस्तृत पुष्प और ज्यामितीय डिज़ाइन हैं। इसका सुंदर आकार और बढ़िया पैटर्न इस एक शाही और कालातीत रूप देते हैं। राजस्थान, विशेष रूप से उदयपुर और जयपुर जैसे शहर अपनी चांदी की शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध हैं। डिज़ाइन अक्सर महलों और मंदिरों से प्रेरणा लेते हैं।

इसके पहले ज़ाग्रेब में गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत करने पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने समकक्ष प्लेंकोविच और क्रोएशियाई सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। दोनों देशों के बीच साझा आधार पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ÷भारत और क्रोएशिया लोकतंत्र, कानून का शासन, समानता और अन्य जैसे साझा मूल्यों से जुड़े हुए हैं। द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप की घोषणा कर पीएम मोदी ने कहा, हमने अपने तीसरे कार्यकाल में अपने द्विपक्षीय संबंधों को तीन गुना गति देने का फैसला किया है। प्रशिक्षण, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योग विकास जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए एक रक्षा सहयोग योजना पर विचार किया जा रहा है। व्यापार वृद्धि के लिए पहचाने गए प्रमुख क्षेत्रों में फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, आईटी, स्वच्छ और डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा शामिल हैं।

मुझे चुनाव प्रचार के लिए नहीं बुलाया : शशि थरूर

शशि थरूर ने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ पेश की नाराजगी

नई दिल्ली एजेंसी। केरल के नीलांबुर उपचुनाव के दिन कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी नाराजगी जगजाहिर की। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें नीलांबुर में चुनाव प्रचार के लिए नहीं बुलाया। नाराज थरूर ने साफ कहा कि अगर उन्हें बुलाया जाता वे जाते। थरूर ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद हैं और इस मामले पर पार्टी में चर्चा होगी।दरअसल यूडीएफ उम्मीदवार आर्यदान शौकम के लिए प्रचार करने नीलांबुर आने के बावजूद सभी वरिष्ठ नेताओं और अधिकांश कांग्रेस सांसदों ने थरूर से मुलाकात नहीं की। बताया जा रहा हैं कि राष्ट्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व थरूर के नए कदमों से नाखुश हैं।पहलगाम आतंकी हमले के बाद अमेरिका में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थरूर को ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करने वाली उनकी टिप्पणियों के लिए कुछ कांग्रेस नेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा।

उपनगर ग्वालियर के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध - ऊर्जा मंत्री तोमर

ऊर्जा मंत्री तोमर ने 01 करोड 39 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर में लगभग 01 करोड़ 39 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों का गुरुवार को भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उपनगर ग्वालियर का सर्वांगीण विकास हो, इसके लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में विकास की धारा बह रही है। प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं, जिससे आमजन को उनका लाभ आसानी से मिल सके। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वार्ड-7 में 01 करोड की लागत से बृजमोहन तेल मिल से शनिदेव मंदिर तक, खरगेश्वर मंदिर रोड, चिरोल का पेड़, इंदिरा नगर तक सीसी रोड निर्माण कार्य, वार्ड-9 कारीगरों की बगिया में 18.96 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड-3 गहोई कॉलोनी में 20 लाख रुपये की लागत से सीमेंट कंक्रीट फर्श निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि पर्यावरण को साफ व स्वच्छ रखने में सहयोग करें। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया कि दिन में एक घंटे विद्युत बंद रखें तथा घर के आसपास काम है तो गाडी का उपयोग न करते हुए पैदल ही जाएं। ऐसा करने से हम अपने शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग कर सकते हैं। साथ ही कहा कि घर से निकलने वाले कचरे को सिर्फ कचरा वाहन में ही डालें, सडक पर या इधर उधर न डालें, इससे बीमारियां फैलती हैं। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर में स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, आदि क्षेत्र में अतुलनीय कार्य हुआ है। सिविल अस्पताल हजीरा में प्रतिदिन लगभग 2 हजार मरीज आ रहे हैं। अस्पताल सीटी स्कैन, आईसीयू, पीआईसीयू आदि सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके साथ ही पटेल विद्यालय एवं कन्या विद्यालय सांदीपनि (सीएम राइज) स्कूल किसी प्राइवेट स्कूल से बेहतर शिक्षा और बच्चों को सुविधाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेसी मिल के श्रमिकों की जो भी देनदारियां हैं उनको शीघ्र मिलें, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने साडा क्षेत्र को उद्योग विभाग को देने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शीघ्र ही साडा क्षेत्र में फैक्ट्रियां आने वाली हैं, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। भूमि पूजन के अवसर पर पार्षद श्रीमती मंजू दिग्विजय राजपूत, श्री बृजमोहन शर्मा, श्री दयाराम पाल, श्री आशीष तोमर, श्री शैलेन्द्र सिकरवार, श्रीमती मीरा राठौर, सर्वश्री मुकेश राठौर, लालू गुप्ता, सुरेश गुप्ता, राजेश राजपूत, विशम्भर दयाल शर्मा, संतोष यादव सहित बडी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खास खबर

अधिकारियों के कार्यों में फेरबदल

ग्वालियर - कार्य सुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों में फेरबदल किए गए हैं। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के जारी आदेशानुसार उपयंत्री श्री राजेश परिहार को प्रभारी सहायक यंत्री जनकार्य जोन क्रमांक 2,4,5 एवं 6 का नवीन दायित्व सौंपा गया तथा क्षेत्राधिकारी क्षेत्र क्रमांक 01 के दायित्व से मुक्त रहेगें। इसके साथ ही उपयंत्री श्री राकेश कुशवाह को प्रभारी सहायक यंत्री जोन क्रमांक 22 एवं 23 का नवीन दायित्व सौंपा गया है तथा क्षेत्राधिकारी क्षेत्र क्रमांक 22 के दायित्व से मुक्त रहेगें। साथ ही उपयंत्री श्री कार्तिक पटेल को क्षेत्राधिकारी क्षेत्र क्रमांक 01 का नवीन दायित्व सौंपा गया है तथा इनके शेष कार्य यथावत रहेगें। इसके साथ ही उपयंत्री श्री अभिषेक ठाकुर को क्षेत्राधिकारी क्षेत्र क्रमांक 22 का दायित्व सौंपा हैं एवं इनके शेष दायित्व यथावत रहेगें। इसके साथ ही सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी श्री रवि कुमार कोरी को अपने वर्तमान कार्य के साथ साथ मदाखलत अधिकारी ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा का दायित्व सौंपा गया है एवं श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान मदाखलत अधिकारी ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा के दायित्व से मुक्त रहेगें तथा इनके शेष कार्य यथावत रहेगें। साथ ही श्री राजेश भदौरिया कार्यरत पार्क विभाग को अपने वर्तमान कार्य से मुक्त करते हुए क्षेत्र क्रमांक 08 (वार्ड 18,19, एवं 25) अंतर्गत क्षेत्राधिकारी के सहायक के रूप में कार्य किए जाने हेतु अस्थाई रूप से दायित्व सौंपा गया है।

सीवर संधारण में लापरवाही बरतने पर मै. तूबा कंस्ट्रक्शन एवं इलेक्ट्रिकल्स पर 6 लाख 89 हजार 400 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित

ग्वालियर - सीवर संधारण के कार्य में गंभीर लापरवाही बरतने पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा मै. तूबा कंस्ट्रक्शन एवं इलेक्ट्रिकल्स वर्क्स ग्राम सिगोरा मोतीझील पर 6 लाख 89 हजार 400 रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है। उपायुक्त श्री एपीएस भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय के निर्देशन में सीवर संधारण कार्य तेजी से किया जा रहा है तथा सीवर संधारण कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मै. तूबा कंस्ट्रक्शन एवं इलेक्ट्रिकल्स द्वारा ग्वालियर पूर्व विधानसभा के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 18 व 19 का सीवर संधारण कार्य किया जा रहा है। जिसमें आम नागरिकों द्वारा की गई एवं सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समय सीमा में निराकरण की जिम्मेदारी मै. तूबा कंस्ट्रक्शन एवं इलेक्ट्रिकल्स की है। उक्त कार्य से संबंधित ठेकेदार द्वारा सीवर संधारण से संबंधित आम नागरिकों द्वारा की गई शिकायत एवं सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। जिसके कारण शिकायतें लेवल-1 से लेवल-2 एवं 3 पर पहुंच रहीं हैं। जिसके फलस्रूप आम नागरिक परेषान है एवं नगर निगम की छवि धूमिल हो रही है। संबंधित ठेकेदार द्वारा आम नागरिकों द्वारा की गई 8 शिकायतों का निराकरण समय सीमा में नहीं कराया गया है, जिसके चलते संबंधित एजेंसी में 1 लाख 70 हजार का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है तथा सीएम हेल्पलाइन की 36 शिकायतों का निराकरण समय सीमा में नहीं किए जाने पर अनुबंध अनुसार 5 लाख 19 हजार 400 रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। इस प्रकार संबंधित एजेंसी पर कुल 6 लाख 89 हजार 400 रूपये अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है।

मुरार वार्ड 25 मे 51 लाख रुपए कि लागत से बनेगी डामरीकरण सड़क

विकास कार्य का शुभारंभ भूमि पूजन के साथ हुआ

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर पूर्व विधानसभा के वार्ड क्रमांक 25 में आज सूरीनगर,सी पी कॉलोनी मुरार ग्वालियर मैं विकास कार्यों की कडी में सड़कों पर 51 लख रुपए की विकास योजना के डामरीकरण का आज भूमि पूजन कार्यक्रम सूरीनगर में आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जैन थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती प्रीति संजय सिंह परमार ने की। भूमि पूजन कार्यक्रम महारानी लक्ष्मी बाई की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित हुआ इसलिए कार्यक्रम में परिवर्तन करते हुए उपस्थित मात्र शक्तियों से पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया मुख्य अतिथि एवं उपस्थित जनता जनार्दन का वरिष्ठ भाजपा नेता संजय सिंह परमार ने सभी का पुष्प माला पहनाकर स्वागत कर अभिनंदन किया क्षेत्रीय नागरिकों ने अपनी लोकप्रिय पार्षद श्रीमती प्रीति संजय सिंह परमार के प्रयासों की सराहना करते हुए तिलकएवं माला पहनकर स्वागत किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक गण सर्व श्री बृजराज सिंह जादौन, के सी कुबेर, बादशाह सिंह भदोरिया, शिवकुमार पटेल, जितेंद्र सिंह चौहान, अमर सिंह राणा, दिनेश कुमार श्रीवास, रमेश राजावत, कैलाश कुशवाहा, राजकुमार तिवारी, गुलाब सिंह सेंगर, अशोक कुंज, सतपाल सिंह राजावत, रमेश शर्मा, मातादिन सिंह तोमर, मनोज शर्मा बबलू ,मातृशक्ति श्रीमती सुमन जादौन, श्रीमती गीता भदोरिया, नीलम भारद्वाज, गुड्डी कुशवाहा, कुसुम पटेल, हेमलता सिंह, सपना राजावत, आशा देवी, कांत राठौर, उर्मिला तिवारी, ममता देवी, आदि शामिल थे।

ज्योदित्य भदौरिया (भईयु) बने ग्वालियर डिवीज़न पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस/हर्षित दुबे
मो.8349598624

मध्यप्रदेश पिकलबॉल एसोसिएशन मुख्यालय इंदौर के सचिव डॉ.बलवंत सालुंके जी के द्वारा ग्वालियर में खेलों के प्रति सजग रूप से भूमिका निभाने वाले चम्बल क्रीड़ा परिषद् के सचिव ज्योदित्य (भईयू) भदौरिया को महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी देते हुए ग्वालियर डिवीज़न पिकलबॉल एसोसिएशन का अध्यक्ष बनाया गया हैं मध्यप्रदेश के अंदर पिकलबॉल खेल युवाओं में तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा हैं अपने मनोनयन पर भईयू ने डॉ.बलवंत सालुंके जी का आभार व्यक्त किया हैं साथ ही उन्होंने बोला हैं ग्वालियर संभाग के अंदर पिकलबॉल खेल की लोकप्रिय होने की संभावना अधिक हैं हमारा प्रयास रहेगा कि संभाग भर में हम अधिक से अधिक पिकलबॉल कोर्ट का निर्माण कराये साथ ही खिलाड़ियों को पिकलबॉल खेल से जोड़कर संभाग भर में प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करायें साथ ही पिकलबॉल टूर्नामेंट् की श्रृंखला प्रारंभ करें डॉ.बलवंत सालुंके जी ने उन्हें ये दायित्व सौंपते हुए यह मंशा ज़ाहिर की हैं कि वे शीघ्र ही अपनी संपूर्ण कार्यकारिणी का गठन कर प्रदेश कार्यालय में सौंपे भईयू की नियुक्ति पर सभी शुभचिंतकों एवं इष्ट जनों ने अपनी शुभकामनाएँ देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की हैं

महापौर लोकमंत्रणा में आए हितग्राहियों की समस्याएं सुनकर महापौर डॉ. सिकरवार ने संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 19 जून 2025- महापौर लोकमंत्रणा के दौरान आने वाले हितग्राहियों की समस्याओं का शत प्रतिशत निराकरण हो इसके लिए संबंधित अधिकारी त्वरित कार्यवाही करें। उक्ताशय के निर्देश महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने महापौर लोकमंत्रणा में संबंधित अधिकारियों को दिए। लोकमंत्रणा में उपनेता सत्तापक्ष श्री मंगल भैया योगेन्द्र, मेयर इन काउंसिल के सदस्य श्री अवधेश कौरव, पार्षद श्री प्रमोद खरे, ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि श्री जंडेल सिंह, अपर आयुक्त श्री विजय राज, श्री मुनीष सिकरवार, श्री अनिल दुबे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर लोकमंत्रणा में वार्ड 29 समस्त राजीव आवास निवासीगण महलगांव पहाडी ने महापौर डॉ. सिकरवार को आवेदन देते हुए बताया कि महलगांव पहाड़ी पर बने राजीव आवास में निवासीगणों को काफी समस्याओं का सामना करना पड रहा है। महापौर डॉ. सिकरवार ने उक्त समस्या को सुनकर संबंधित सम्पदा अधिकारी आवास योजना को शीघ्र व उचित कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही वार्ड 19 कवि नगर निवासी श्री उपेन्द्र सिंह भदौरिया ने अपनी समस्या महापौर डॉ. सिकरवार को बताते हुए कहा कि कॉलोनी में सीवर तथा बरसात के पानी की निकासी नहीं होने से जलभराव की समस्या बनी रहती है। जिस पर सुनवाई करते हुए महापौर डॉ. सिकरवार ने संबंधित उपायुक्त पीएचई को उचित कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। साथ ही वार्ड 39 कम्बल केन्द्र के पास गोलपहाडिया निवासी श्री पुनीत झा ने आवेदन देते हुए बताया कि जवाहर बैंड के पास मंदिर के बगल में मेन रोड के पास पीपल का पेड़ जर्जर हालत में जिस कारण आंधी या बरसात में गिर सकता है। जिस पर सुनवाई करते हुए महापौर डॉ. सिकरवार ने पार्क प्रभारी को स्थल निरीक्षण कर उचित कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही अनेक आवेदनों को सुनकर उनके तत्काल निराकरण के लिए महापौर डॉ. सिकरवार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

जैन मिलन महिला एवं बालिका विहर्ष शाखा माधवगंज का हुआ संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह

महिला संगठन से जुड़कर सेवा कार्य करने से व्यक्तित्व में निखार आता है-राजेश जैन

समारोह में जैन मिलन विहर्ष महिला ओर बालिका मंच की नवीन टीम के पदाधिकारियों को दिलाई गई विधि पूर्वक शपथ

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर-संगठन से जुड़कर सेवा कार्य करने से महिलाओं के कार्य से व्यक्तित्व में निखार आता है और जीवन में बहुत कुछ सीखने को मिलता है। लेकिन जो कुछ भी सीखे उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। अपने जीवन का लक्ष्य बनाएं। यह बात समारोह के अतिथि गौरव जैन मिलन के राष्ट्रीय प्रचार अध्यक्ष राजेश जैन बंटी ने आज गुरुवार को हुजरत पुल चौराहे स्थित होटल सगुना में जैन मिलन महिला एवं बालिका विहर्ष शाखा माधवगंज के संयुक्त शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह में कही। समारोह के मंच पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शीला टोंग्या थी।विशिष्ट अतिथि के रूप में शपथ विधी अधिकारी क्षेत्रीय अध्यक्ष महेंद्र जैन, शपथ अधिकारी क्षेत्रीय मंत्री कमलेश जैन, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अनीता जैनह्व एवं संस्थापक अक्ष्यक्ष लता जैन मौजूद थी। वही क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष प्रीति जैन, संयोजिका सोनल जैन भी मौजूद थी। वही वीनस मिक्स एंड मिसेज इंडिया 2025 चुनकर आई नीलम जैन का अतिथियों ने ताज पहनकर सम्मान किया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि समारोह का शुभारंभ णमोंकर मंत्र के चित्र का अनावरण श्रीमती अंजली जैन ने किया ओर श्रीमती चंदा जैन ने चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंगल चरण नृत्य प्रियंका जैन ने किया। बालिका ओर महिला पदाधिकारियों ने अतिथिओ का पुष्पमाला से स्वागत कर सात्कार किया। नई गठित जैन मिलन बालिका विहर्ष शाखा की संरक्षिका सुरभि जैन, नवीन अध्यक्ष दिव्या जैन, मंत्री पायल जैन ओर कोषाध्यक्ष सृष्टि जैन की टीम को शपथ ग्रहण क्षेत्रीय मंत्री कमलेश जैन ने दिलाई। बालिका मंच ने सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी। वही नवनिर्वाचित अध्यक्ष ललिता जैन एवं सचिव अनुपमा जैन ने मुख्य अतिथिओं को स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रीति जैन एवं आभार सचिव अनुपमा जैन ने माना। सभी पुरुस्कार वितरण रेखा जैन की ओर से किए गए।

इन महिलाओं ने ली मानवसेवा की विधिपूर्वक शपथ

शपथ अधिकारी क्षेत्रीय अध्यक्ष महेंद्र जैन ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष ललिता जैन, उपाध्यक्ष रेखा जैन, सचिव अनुपमा जैन, कोषाध्यक्ष मंजू जैन, उपाध्यक्ष सुनीता जैन, सहसचिव दुर्गेश जैन, सह कोषाध्यक्ष उमा जैन प्रीति जैन, संस्कृतिक मंत्री नीलम जैन, प्रचार मंत्री सविता जैन सहित 20 नवीन सदस्यों को विधिपूर्वक शपथ ग्रहण कराई।

आचार्यश्री सुबल सागर ससंघ का सोनागिर से ग्वालियर चातुर्मास के लिए हुआ मंगल विहार

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर /दतिया -= आचार्य श्री सुबल सागर महाराज सहित नौ साधुओं का आज गुरुवार को जैन तीर्थ सोनागिर से ग्वालियर चातुर्मास के लिए मंगल विहार हुआ। आचार्यश्री सुबल सागर महाराज के चरणों श्री फल भेंट दिगंबर जैन युवा जागरण मंच के विमल जैन कुलैथ, पारस जैन, मुकेश जैन, हर्ष जैन, गोलू जैन ने भेंटकर आशावाद लिया। सोनागिर स्थित जैन समाज के लोगों ने आचार्य श्री सुबल सागर महाराज के चरणों का जल से पद प्रक्षालन कर आरती उतारी। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि आचार्यश्री का मंगल विहार जैन तीर्थ सोनागिर पदयात्रा करते हुए गोराघाट स्थित विहसंत धाम संत निवास पर रात्रि विश्राम करेंगे। वही सुबह शुक्रवार को डाबरा में आहारचर्या करने के बाद टेकनपुर के लिए मंगल विहार करेंगे।

धर्म मार्ग को हमें अपने जीवन की गहराइयों में उतारना चाहिए-:आचार्य श्री सुबल सागर

आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ने संतानिवास गोराघाट पर आशीष वचन देते हुए कहा कि हमें प्रतिदिन प्रभु की आराधना करना चाहिए। बच्चों को भी अच्छे संस्कार देना चाहिए तभी हम अपनी संस्कृति की रक्षा कर पाएंगे। जैन कुल में जन्म बड़े ही पुण्य के बाद मिल पाता है। हम भाग्यशाली हैं जो जैन कुल में जन्मे हैं। धर्म मार्ग को हमें अपने जीवन की गहराइयों में उतारना चाहिए। प्रतिदिन जिनवाणी ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें प्रभु को अपने मन रूपी वेदी मे विराजमान करना चाहिए। प्रभु तब ही हमारे अंतरमन में विराजमान होंगे जब हमारा मन साफ होगा। प्रभु के दर्शन जन्मों के पुण्य के प्रताप के कारण ही मिल पाते हैं। हमें बच्चों को संस्कार देने के लिए प्रतिदिन उन्हें मंदिर ले जाना चाहिए। एक अच्छे समाज और अच्छे राष्ट्र के निर्माण के लिए हमें बच्चों को संस्कार देना ही चाहिए। बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। वे जितने प्रगतिवान होंगे, राष्ट्र भी उसी के अनुरूप प्रगति करेगा।

जैन मिलन महिला फालका बाजार शाखा द्वारा सिविल अस्पताल में किया सेवा कार्य

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर, जैन तीर्थ रक्षा अभियान - 2025 के अंतर्गत जैन मिलन महिला, फालका बाजार शाखा ने सिविल अस्पताल, हजीरा में सेवा कार्य करते हुए मरीजों को खिचड़ी, टोस्ट और फल वितरित किए। शाखा के सभी वरिष्ठ सदस्यों ने उपस्थिति देकर इस पुण्य कार्य में सहयोग दिया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष महेंद्र जैन, क्षेत्रीय सचिव कमलेश जैन और डॉ. मुकेश जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन शाखा अध्यक्ष शैफाली जैन, मंत्री इन्दु जैन और कोषाध्यक्ष रजनी जैन ने किया। कार्यक्रम के अंत में शाखा की ओर से सभी सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

अतिवृष्टि व संभावित बाढ़ से बचाव के लिये एहतियातन पुख्ता उपाय करें - कलेक्टर

बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारी को लेकर हुई बैठक में दिए निर्देश

संसाधनों की सूची बनाने और मौके पर पहुँचाने के लिये वाहन की व्यवस्था करने के दिए निर्देश

ग्वालियर अतिवृष्टि से होने वाले जल भराव व संभावित बाढ़ से बचाव के लिये पहले से ही पुख्ता एहतियाती उपाय करें। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में उपलब्ध तैराक, नाव, पंप, ट्रेक्ट्रर ट्रॉली, जेसीबी मशीन, फायर ब्रिगेड, लाइफ जैकेट, तिरपाल, रस्से व टॉर्च सहित समस्त संसाधनों की सूची तैयार करें। साथ ही यह भी तैयारी कर लें कि जरूरत पड़ने पर किस मार्ग से और किस वाहन से इन संसाधनों को मौके पर मदद के लिये पहुँचाया जायेगा। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारी को लेकर बुलाई गई बैठक में दिए। गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने - अपने क्षेत्र के उन स्थलों का अभी से भ्रमण कर आवश्यक एहतियाती उपाय मुकम्मल कर लें, जहाँ जल भराव की स्थिति निर्मित होती है। उन्होंने जल भराव की स्थिति से निपटने के लिये जरूरी संसाधनों का विकेन्द्रीकरण करने के निर्देश दिए। खासतौर पर डबरा व भितरवार में नाव सहित अन्य संसाधन अभी से पहुँचा दिया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जब एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीम बचाव कार्य के लिये जाए तब उनके साथ कोई प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी अवश्य भेजें, जिससे टीम सही स्थान पर पहुँचकर लोगों की मदद कर सके।

सिंधिया ने दंदरौआ धाम की विशेषताएं बताईं, केन्द्रीय मंत्री गड़करी बोले-वहां जाऊंगा

दिल्ली में सिक्स लेन की मांग करने पहुंचे प्रतिनिधि मंडल के साथ पहुंचे थे रामदास महाराज

नगर संवाददाता

भिण्ड। ग्वालियर से भिंड होते हुए इटावा के चंबल पुल तक एनएच-719 के चौड़ीकरण की मांग लंबे समय से चल रही है। विगत दिवस इस संबंध में जिले के संतों का प्रतिनिधि मंडल दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी से मिला। उनके साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और स्थानीय सांसद संध्या राय भी रहीं। सिंधिया ने गड़करी को बताया कि यह हाइवे टू लेन है। इस कारण आए दिन दुर्घटना हो रही हैं। इसलिए इसे फोरलेन किया जाए। गडकरी ने आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द इसके लिए भू-अर्जन शुरू किया जाए। जितनी जल्दी भू-अर्जन की कार्रवाई होगी, उतनी जल्दी सड़क का निर्माण कार्य चालू होगा।मालूम हो कि इस हाइवे पर आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। करीब तीन माह पहले संत समाज ने खंडा रोड पर अखंड आंदोलन शुरू किया। हालांकि आंदोलन के पहले ही मंत्री गड़करी ने हाइवे को स्वीकृत करने की घोषणा की। यह आंदोलन जिले के जनप्रतिनिधियों ने स्थगित कराया। इससे पहले संतों के एक प्रतिनिधि मंडल ने ग्वालियर में केंद्रीय मंत्री सिंधिया से मुलाकात कर उन्हें भी परेशानी से अवगत कराया था। इसके बाद मंगलवार को दोपहर एक बजे दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गड़करी ने मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल में दंदरौआ धाम के महंत रामदास जी महाराज, रामभूषणदास महाराज खनेता, जिला अध्यक्ष कालीदास महाराज, शिवप्रताप महाराज त्रिमूर्ति धाम ऊमरी, राघवपुरी महाराज मिहोनी, अवधेशदास महाराज इंदुखीधाम, रामेश्वरदास महाराज जरपुरा, रामधुनदास महाराज ग्वालियर शामिल रहे। इस मुलाकात के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया और इसमें भाजपा नेता डॉ. रमेश दुबे भी मौजूद रहे।सांसद ने कहा कि गड़करी जी ने जो पहले कहा था, वही भरोसा अब दिया। दंदरौआधाम के महंत रामदास जी महाराज ने बताया कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया संतों के परम भक्त हैं। मंत्री गड़करी जी यहां पहुंचे, सभी संतों को उन्होंने विशेष सम्मान दिया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एवं केंद्रीय मंत्री गड़करी ने संतों की आज्ञा का पालन किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा महंत रामदास जी महाराज का परिचय केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी से कराते हुए कहा कि भिण्ड जिले का दंदरौआ धाम एक अनोखा धाम है। इनका क्षेत्र में बहुत प्रभाव है, उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी को दंदरौआ धाम पहुंचकर डॉक्टर हनुमान के दर्शन करने का अनुरोध किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने धाम में आने का आश्वासन दिया। उन्होंने संतों की मुलाकात के बाद मंत्री के कार्यालय ने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को इस सड़क के निर्माण की कार्रवाई में तेजी लाने के लिए मौखिक तौर पर बोल दिया है।

मेहगांव में मोबाइल टावर पर लटका मिला युवक का शव

- दिल्ली के लिए निकला था युवक, पिता बोले- बेटे की हत्या की गई

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिले के मेहगांव कस्बे में बुधवार की रात एक युवक का शव मोबाइल टावर पर फंदे से लटका मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं मृतक के पिता का आरोप है कि उसने आत्म हत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है।जानकारी के अनुसर चंदनपुरा के मिश्रनपुरा का रहने वाला 19 वर्षीय सचिन उर्फ छोटू जाटव ने बुधवार की शाम को अपने पिता से कहा कि वह दिल्ली मजदूरी के लिए बस पकडने जा रहा है। लेकिन वह मेहगांव पहुंच गया। रात करीब पौने 12 बजे उसका शव जेल रोड स्थित मोबाइल टावर पर 10 फीट की ऊंचाई पर मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गई। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।वहीं पीएम हाउस में मृतक के पिता बृषभान जाटव ने आरोप लगाया कि बुधवार रात 11 बजे रिश्तेदार अंकित का फोन आया था। उसने धमकी देते हुए कहा था कि 10 मिनट में मेहगांव आ सकते हो तो आ जाओ। वहीं परिजनों ने बताया कि जब वे साढ़े 11 बजे पहुंचे तो छोटू नहीं मिला। बाद में पता चला कि उसका शव टावर पर लटका है। परिजनों का यह भी कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान हैं और उसका मोबाइल शव से 15 फीट दूर पड़ा मिला। परिजनों ने बताया कि मेहगांव में रिश्तेदार के एक लड़के से छोटू का पुराना विवाद चल रहा था। दोनों पहले साथ में काम करते थे।प्रेम प्रसंग का मामलापुलिस के अनुसार मृतक का अपने भाई की ससुराल में एक लड़की से प्रेम प्रसंग था। बुधवार शाम वह शराब के नशे में मेहगांव में रिश्तेदार के घर पहुंचा था। वहां विवाद हुआ। इसके बाद युवक वहां से निकल गया और देर रात उसका शव टावर पर मिला।

दूसरे को बैठालकर दिलाई परीक्षा, फर्जी तरीके से बन गया आरक्षक

-कागजात सत्यापन में हुआ खुलासा, दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

नगर संवाददाता

भिण्ड। आरक्षक भर्ती परीक्षा में मुरैना के एक युवक ने सॉल्वर की मदद से परीक्षा पास की थी। फिजिकल खुद दिया। जब वह नौकरी के लिए आया तो डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में मामला पकड़ में आ गया। दोनों आरोपियों पर केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।जिले में पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2023 में फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। 17वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल में चयनित एक युवक ने परीक्षा में अपने स्थान पर सॉल्वर को बिठाकर पेपर दिलवाया था। आधार कार्ड में बायोमेट्रिक बदलवाकर पूरी चयन प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी। दो मई 2025 को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन जांच के दौरान यह फर्जीबाड़ा सामने आया। जब आरोपी विष्णु पुत्र भरत सिंह निवासी ग्राम लभनपुरा थाना नूराबाद जिला मुरैना, 17वीं वाहिनी कार्यालय पहुंचा, तो स्टेनो ने आधार का रिकॉर्ड चेक किया। बार-बार बायोमेट्रिक बदलाव के तथ्य सामने आए।जांच में पता चला कि 13 अगस्त 2023 को हुई भर्ती परीक्षा में विष्णु के स्थान पर बिहार के गया जिले का अमरेन्द्र कुमार उर्फ बाहुबली नामक युवक ने परीक्षा दी थी। अमरेन्द्र को पैसे देकर यह काम कराया गया था। इसके बाद विष्णु ने खुद फिजिकल परीक्षा पास की और चयन हो गया। कोतवाली पुलिस ने सूबेदार मेजर मेवालाल दौहरे की रिपोर्ट पर सिटी कोतवाली पुलिस ने विष्णु और अमरेन्द्र के खिलाफ धारा 318(4), 338, 336(3), 340(1), 340(2), 319(2) बीएनएस व 3/4 परीक्षा अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। कोतवाली टीआई बृजेंद्र सेंगर ने बताया कि अमरेन्द्र कुमार को हाल ही में अलीराजपुर पुलिस ने एक अन्य फर्जीवाड़े में गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने इस मामले की जानकारी दी थी।

35 कार्टर देशी शराब एवं 12 बीयर केन जब्त, आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के खिलाफ चलाया जा रहा है अभियान

नगर संवाददाता

भिण्ड। कलेक्टर भिण्ड संजीव श्रीवास्तव एवं उपायुक्त आबकारी संभागीय उडन् दस्ता संभाग ग्वालियर संदीप शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी महेश कुमार गौर के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रह, विक्रय एवं अवैध परिवहन पर रोकथाम लगाने के संबंध में अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान वृत्त गोहद में संयुक्त दविश की गई, दविश के दौरान सरपंच ढाबा पर अवैध 10 पाव देशी मदिरा प्लेन, 6 पाव देशी मदिरा मसाला आरोपी अंकुश सिंह द्वारा ढाबे पर अवैध मदिरा विक्रय करते पाया गया, साथ ही अन्य कार्रवाई में सोनू ढाबा पर अवैध 15 पाव देशी मदिरा प्लेन, 4 पाव देशी मदिरा मसाला एवं 12 केन बोल्ट बीयर आरोपी सुंदर कुशवाह को ढाबे पर अवैध मदिरा विक्रय करते पाया गया। आरोपियों के कब्जे से कुल 35 पाव देशी मदिरा प्लेन/ मसाला एवं 12 बोल्ट बीयर केन जप्त की गई जिसकी अनुमानित कीमत 4700 रुपए लगभग है। आरोपियों के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)ए एवं 36ए के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इसी अनुक्रम में ढाबों होटलों पर सघन चैंकिग की कार्रवाई की गई। जिसमें वृत्त प्रभारी वृत्त गोहद नरेन्द्र कुमार प्रजापति, आबकारी उपनिरीक्षक अजीत यादव, कृष्णकांत शर्मा एवं आबकारी आरक्षकगण हरिओम शर्मा, अवधेश सिंह भदौरिया, उपेन्द्र सिंह चौहान, बृजेश कुमार, राहुल सिंह भदौरिया, जनक अर्गल उपस्थित रहे।

12वीं व आईटीआई पास छात्रों को पॉलीटेक्निक में सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश 30 जून तक

नगर संवाददाता

भिण्ड। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में संचालित इंजीनियर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को 12वीं अथवा आईटीआई के आधार पर शासकीय/ अर्द्ध शासकीय/ मल्टीनेशनल कंपनियों हेतु इंजीनियर बनने का सुनहरा अवसर प्रदान कराता है। महिला सशक्तिकरण अंतर्गत बेटियों के लिए अलग से हुनर पहल के तहत मार्गदर्शन दिया जा रहा है। संस्था में ईडब्ल्यूएस कि भी सीट उपलब्ध है। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद सीधे बीटेक द्वितीय वर्ष में एडमिशन मिलता है।प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसलिग के माध्यम से रजिस्ट्रेशन चल रहे हैं। जिसका द्वितीय चरण 15 जून से प्रारंभ होकर 30 जून रात्रि 11ः45 बजे तक चलेगा। जिसकी चॉइस फिलिंग 20 जून से 4 जुलाई तक होगी। शा. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में सिविल इंजी., मोर्डन ऑफिस मैनेजमेंट एवं कंप्यूटर साइंस इंजी. ब्रांच संचालित है। वर्तमान में स्किल युथ पावर की राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक मांग है।

कवियों ने रचनाओं का पाठ कर समां बांधा

नगर संवाददाता

भिण्ड। प्रकर्ष फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कवियों ने अपनी अपनी रचनाओं का पाठ करते हुए समां बांधा।कवि सम्मेलन में कवि हास्य कवि प्रदीप वाजपेयी, ओज कवि विपिन तोमर साहिल मुरैना, हास्य कवि अंजुम मनोहर, गीतकार आकाश अखिल, शायर हिमांशु शर्मा ग्वालियर, श्रृंगार कवि अंजली चौरसिया निबाड़ी, श्रृंगार कवि विश्वास बघेल, वीर रस कवि अनुभाषी शर्मा दतिया, वीर रस कवि प्रियंका राजावत, हास्य कवि गोविंद सिंह भदौरिया दतिया, शायर सुयश श्रीवास्तव ग्वालियर, वीर रस कवि तनु श्रीवास्तव व कवयित्री साक्षी चौहान ने मंच से अपनी अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम में मौजूद श्रोताओं ने काव्य रचनाओं का रसपान किया।

कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रकर्ष फाउंडेशन द्वारा समाजहित में काम करने वाले सहयोगी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व कमिश्नर राजीव शर्मा और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुखदेव सिंह सेंगर ने डॉ. देवेंद्र सिंह तोमर द्वारा संपादित साहित्यिक रचनाओं की प्रति भेंट की गई। इस दौरान फाउंडेशन की अध्यक्ष आरती सिंह द्वारा अतिथियों का सम्मान करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र और एक पौधा वितरित किया गया।

ऑटो व ट्रैक्टर की टक्कर में महिला समेत दो की मौत, दो घायल

नगर संवाददाता

मालनपुर। बुधवार की शाम कैडबरी फैक्ट्री के समीप नेशनल हाईवे 719 पर सवारी ऑटो और एक ट्रैक्टर में जबरदस्त टक्कर हो गई। जिससे ऑटो में बैठी सवारी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसमें एक महिला समेत दो लोगों की मौत होना बताया गया है और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार एक सवारी ऑटो बुधवार को ग्वालियर से सवारी भरकर गोहद की तरफ जा रही थी, वह मालनपुर से आगे कैडबरी फैक्ट्री के पास पहुंची ही थी कि सामने ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। जिससे ऑटो बैठे सचिन पुत्र केशव जाटव उम्र 22 वर्ष निवासी पिपाहड़ा की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य घायलों के साथ मीरा गुप्ता पत्नी महेश गुप्ता उम्र 45 वर्ष मुरैना को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान मीरा गुप्ता की मौत हो गई। बताया जा रहा है दो लोग घायल हैं, जिनका उपचार चल रहा है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को भव्य बनाने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए : मंत्री शुक्ला

नवकरणीय ऊर्जा मंत्री की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों के लिए बैठक संपन्न

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष भिण्ड में आयोजित की गई।नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम भव्य एवं गरिमामय रूप से किए जाने के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण कर लें। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विस्तृत योजना बनाकर कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने अतिथियों के आगमन, बैठक व्यवस्था व अन्य प्रोटोकॉल व्यवस्था, मंच व्यवस्था व ग्रीन रूम व्यवस्था, हैलीपेड व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल मार्ग सुदृढ़ीकरण, पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में विधायक भिण्ड नरेन्द्र सिंह कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष कामना सिंह भदौरिया, कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव, सीईओ जिला पंचायत सुनील दुबे, संयुक्त कलेक्टर अंकुर रवि गुप्ता, एसडीएम भिण्ड अखिलेश शर्मा, गोहद-अटेर पराग जैन, मेहगांव नवनीत शर्मा, लहार विजय यादव सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

नारी शक्ति सही मायने में भारत की भाग्यविधाता : सिसोदिया

पानी विधाता की अनुपम भेंट, इसकी कद्र कीजिए : जिला समन्वयक

नगर संवाददाता

भिण्ड। पानी जीवन का आधार है, हमें यह बात स्वीकार करनी होगी, नारी परिवार की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। जल संरक्षण में भी आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बात जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक धर्मेन्द्र सिसोदिया ने नवांकुर संस्था भगवंती बाई शिक्षा एवं समाजसेवा समिति के जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित जल संगोष्ठी में कही। इस अवसर पर वार्ड क्र.22 के पार्षद आदेश नानू अरेले, जिला समन्वयक शिवप्रताप सिंह भदौरिया, समाजसेवी गणेशदत्त मिश्रा, निशि सहित तमाम लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव शशिकांत शर्मा ने एवं आभार प्रदर्शन परामर्शदाता सरिता चौहान ने किया।

ब्रह्मपुरी स्थित संस्था के प्रशिक्षण भवन में संभागीय समन्वयक सिसोदिया ने कहा कि पहले लोग बारिश से पहले ही जल स्त्रोतों की सफाई एवं पौधारोपण करते थे। लेकिन अब केवल हम शोषण करते हैं। जबकि पहले ऐसा नहीं था। प्रकृति को यदि हम देंगे नहीं तो प्रकृति हमसे सब ले लेगी, इसलिए हम इसके संतुलन को बनाएं और अधिक से अधिक पौधे लगाएं।

जिला समन्वयक शिवप्रताप सिंह भदौरिया ने कहा आने वाले दिनों में यदि हम सचेत नहीं हुए तो पानी को लेकर भीषण संकट होगा। पानी ईश्वर की अनुपम भेंट है, इसे समझिए और सहेजिए, इसकी कद्र कीजिए। कार्यक्रम में पार्षद नानू अरेले और समाजसेवी गणेश दत्त मिश्रा ने भी संबोधित किया।

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
ग्वालियर,भोपाल से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं

सम्पादक की कलम से

धर्म का एक दशकः मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था। कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी की साइप्रस यात्रा ने दिया भारत विरोधी ताकतों को कड़ा संदेश इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी। 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है। आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। – **सम्पादक**

कोचिंग का क्रेडिट, स्कूल की गुमनामी- शिक्षकों के साथ यह अन्याय कब तक?

आज कोचिंग संस्थानों को छात्रों की सफलता का सारा श्रेय मिलता है, जबकि वे शिक्षक गुमनाम रह जाते हैं जिन्होंने वर्षों तक नींव रखी। यह संपादकीय उसी विस्मृति की पीड़ा को उजागर करता है। स्कूल और कॉलेजों में पढ़ाने वाले शिक्षक सिर्फ परीक्षा नहीं, सोच, भाषा और संस्कार गढ़ते हैं। कोचिंग एक पड़ाव है, पर शिक्षकों की तपस्या पूरी यात्रा का आधार। शिक्षा में श्रेय का यह असंतुलन सामाजिक और नैतिक रूप से अन्यायपूर्ण है - और इसे सुधारने की सख्त ज़रूरत है।

-डॉ सत्यवान सौरभ

आज जब भी कोई छात्र हृश्वश्वञ्च, छ्वश्वश्व, क्कस्ष्ट या अन्य प्रतियोगी परीक्षा में चयनित होता है, तो मीडिया उसकी सफलता को कोचिंग संस्थान की सफलता के रूप में प्रस्तुत करता है। बधाइयाँ, होर्डिंग्स, विज्ञापन, और सोशल मीडिया पोस्ट्स - सब पर एक ही नाम चमकता है- कोचिंग सेंटर। लेकिन इस पूरे शोरगुल में वह शिक्षक खो जाते हैं, जिन्होंने कभी उस छात्र को पहली बार पेंसिल पकड़ना सिखाया था, जिसने उसे अक्षरों से परिचय कराया था, जिसने उसकी गणना और तर्क की नींव रखी थी। यह वही शिक्षक हैं जो स्कूल और कॉलेजों में वर्षों तक संघर्षरत रहकर बिना किसी विशेष संसाधन के, बच्चों में सोचने की क्षमता और आत्मविश्वास जगाते हैं।

यह लेख इसी अदृश्य, उपेक्षित वर्ग की आवाज़ है।

शिक्षा कभी एक बाज़ार नहीं थी। वह एक संबंध था - गुरु और शिष्य का। लेकिन जब से शिक्षा के क्षेत्र में कोचिंग संस्थानों का वर्चस्व बढ़ा है, तब से यह संबंध एक सेवा और ग्राहक का रूप ले चुका है। छात्र एक उपभोक्ता बन गया है और शिक्षक - एक उत्पाद बेचने वाला। कोचिंग संस्थान अब एक ब्रांड है, जो सफलता बेचता है, और स्कूल का शिक्षक सिर्फ एक सरकारी कर्मचारी, जिसे ना प्रशंसा मिलती है, ना मंच। शिक्षा में यह असंतुलन क्यों? क्या एक छात्र की सफलता का संपूर्ण श्रेय सिर्फ उस कोचिंग संस्थान को दिया जाना न्यायसंगत है जहाँ वह अंतिम एक या दो वर्षों में गया? और उस स्कूल या कॉलेज की भूमिका क्या शून्य हो जाती है जहाँ उस छात्र ने जीवन के 10-12 वर्ष बिताए?

हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी छात्र एकाएक क्क्स्ष्ट क्लियर नहीं करता। वह प्रक्रिया कहीं कक्षा-3 की हिंदी की कविता याद करने से शुरू होती है, जब शिक्षक उसकी उच्चारण की भूलें सुधारते हैं। वह गणित के पहले गुणा-भाग से शुरू होती है, जब शिक्षक उसकी उंगलियों की गिनती को गणना में बदलते हैं। ये शिक्षक किसी ब्रांड के बोर्ड तले नहीं पढ़ाते, इनकी कक्षाएँ बिना एयरकंडीशनर की होती हैं, और कभी-कभी बिना पंखे के भी। लेकिन इनके पसीने से ही भविष्य की नींव तैयार होती है।

जब कोई छात्र इंटरव्यू में पूछे जाने पर कहता है कि ÷मेरी सफलता मेरे कोचिंग संस्थान की देन है,÷ तो यह वाक्य सुनकर कहीं किसी गाँव के सरकारी स्कूल में पढ़ा रहा एक शिक्षक चुपचाप मुस्कुरा देता है। वह जानता है कि उसने कुछ तो सही किया होगा, तभी यह छात्र उस जगह तक पहुँच पाया है। लेकिन उस मुस्कान में पीड़ा छिपी होती है, उस चुप्पी में वह सवाल होते हैं जो कोई नहीं पूछता - ÷क्या मेरी कोई भूमिका नहीं थी?÷

कोचिंग संस्थान सफलता का शॉर्टकट दे सकते हैं, लेकिन सोचने की आदत, भाषा की पकड़, सामाजिक चेतना - ये सब स्कूलों में ही पैदा होती है। विद्यालय सिर्फ परीक्षा की तैयारी नहीं कराते, वे व्यक्ति का निर्माण करते हैं।

बाज़ार की भाषा में कहें तो आज शिक्षा एक %ब्रांडेड सर्विस% बन चुकी है। कोचिंग सेंटर सफलता के ग्राफ के साथ खुद को बेचते हैं, और सफल छात्रों को विज्ञापन की तरह इस्तेमाल करते हैं। यह शोषण का एक नया रूप है, जिसमें मेहनत किसी और की होती है और लाभ किसी और को मिलता है।

विज्ञापनों की भाषा देखिए - ÷हमारे यहाँ से 72 चयनित!÷, ÷ढ्ढक्र1 हमारे छात्र!÷, ÷बिना कोचिंग के असंभव!÷ - इन दावों में किसी स्कूल का नाम नहीं होता। किसी हिंदी, गणित या विज्ञान शिक्षक की तस्वीर नहीं होती, जिन्होंने छात्रों को अपनी सीमित तन्ख्वाह, खस्ताहाल स्कूल और प्रशासनिक दबावों के बीच तैयार किया।

यहां एक और विडंबना है - जिस छात्र कोचिंग सेंटर में जाकर सफल हुआ, वह खुद एक स्कूल से आया था। उसने कभी कक्षा में बोर होकर या मस्ती करते हुए भी सीखा था। उसके व्यक्तित्व में स्कूल की प्रार्थना, शिक्षक का डांटना, लाइब्रेरी का सन्नाटा और प्रायोगिक कक्षाओं की गंध शामिल होती है। लेकिन सफलता के बाद वह स्कूल के बजाय कोचिंग की ब्रांडिंग करता है।

यह ट्रेंड केवल समाज की विस्मृति को नहीं दर्शाता, यह हमारी प्राथमिकताओं की गिरावट भी दिखाता है। मूल शिक्षक केवल क्लासरूम तक सीमित कर दिए गए हैं। उनके नाम पर ना कोई स्कॉलरशिप होती है, ना कोई क्रेडिट सिस्टम। वे दिनभर बोर्ड परीक्षा की कॉपियाँ जांचते हैं, चुनाव ड्यूटी निभाते हैं, मिड-डे मील के अंडे गिनते हैं और फिर भी समय निकालकर छात्रों को समझाते हैं - ÷कृपया अपने नाम के आगे ढ्ढस् लगाओ तो एक बार स्कूल ज़रूर आना! कुछ शिक्षक तो इतने सरल और समर्पित होते हैं कि वे अपने छात्रों की सफलता पर गर्व तो करते हैं, लेकिन उसके सोशल मीडिया पोस्ट में अपना नाम न देखकर भी चुप रहते हैं। वे अपनी भूमिका को ईश्वर के कार्य जैसा मानते हैं - बिना श्रेय की अपेक्षा के, केवल समाजनिर्माण की भावना से।यह चुप्पी अब तोड़नी होगी। हमें एक नया सामाजिक अभियान चलाने की आवश्यकता है, जहाँ हर चयनित छात्र अपने स्कूल और वहाँ के शिक्षकों का नाम खुले मंच पर ले। प्रशासन को ऐसे नियम बनाने चाहिए जहाँ छात्रों की सफलता के साथ-साथ विद्यालय और कॉलेज का भी नाम दर्ज किया जाए।

मीडिया को भी अपनी रिपोर्टिंग में कोचिंग संस्थानों के साथ-साथ उस छात्र के मूल शैक्षिक संस्थान की जानकारी देनी चाहिए। कोचिंग संस्थानों को भी नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि वे अपने प्रचार में उस छात्र की संपूर्ण शैक्षिक यात्रा को स्थान दें - केवल अंतिम दो वर्षों को नहीं। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे, तो एक दिन आएगा जब हमारे विद्यालय केवल नाममात्र के रह जाएँगे, और शिक्षा केवल एक महंगी सेवा बनकर रह जाएगी।

सच्चा शिक्षक वही होता है जो दीपक की तरह जलता है, ताकि सामने बैठा छात्र उजाले में देख सके। लेकिन दीपक को भी यदि निरंतर नजरअंदाज़ किया जाए, तो अंधकार स्थायी हो सकता है।

यह लेख उन्हीं शिक्षकों को समर्पित है - जो ब्रांड नहीं हैं, लेकिन ब्रह्मा की भूमिका निभाते हैं।

जो कोचिंग सेंटर नहीं चलाते, लेकिन व्यक्तित्व गढ़ते हैं।

जिनके नाम आज नहीं गूंजते, लेकिन जिनका असर पीढ़ियों तक रहता है।

अब समय आ गया है कि हम शिक्षा की गहराई में उतरें और उसके असली स्थापत्यकारों को पहचानें।

मंजिल की ओर..

दिन रात वह परिश्रम कर ही रही थी द्य जब भी वह लिखने बैठती तो उसे सुनने को यही मिलता..अब बस कर कितना लिखेगी? यह नींव तो कॉलेज से ही पड़ गई थी जब उसने लघु नाटक लिखा था, बस वह अपने लिखने के ढंग को समझ ही ना पाई थी पतिदेव अच्छी खासी कमाई करते थे पर धीरे-धीरे वो भी कम हो गई और फ़िर काम धंधा बैठ गया अब उसने नाम अनुरूप कल्पना ने अपने भावों को रचना के माध्यम से जोड़ना शुरू किया द्य आगे बढ़ने लगी घर परिवार को संभाल लिया बच्चों को आगे बढ़ाने के प्रयास में लग गई जब बिगड़ते हालात और परिवेश देखा तो खुद के लिए समय संजोने लगी किसी को बोलना छोड़ दिया और करीब घर संभालते 8 वर्ष से ज्यादा बीत गए होंगे बच्चे ही कल्पना ही शक्ति थे बस अब सोच लिया चाहे कुछ भी हो, कोई भी टोके , अब वह रुकेगी नहीं.... पीछे मुड़ेगी नहीं यह उसकी मंजिल नहीं है बच्चों को पैरों पर खड़ा करके, जीवन में खूब कलम का धन कमाएगी यही उसकी सच्ची भूख है पतिदेव को मस्त रहने देगी और अब खर्चे की बात भी नहीं करेगी, जितना होगा खुद करेगी धीरे-धीरे उसने अपने आप को संस्था के साथ जोड़ दिया, बच्चों के लिए रात दिन मेहनत करती रही द्य पति से जब उम्मीद ही नहीं थी कुछ तो उसने उनसे कहने ना कहने का सिलसिला ही बंद कर दिया सोचती मैं व्यर्थ ही इन घर की परिस्थितियों में अपने आप को समेटे हुई थी, तो आज वह स्वतंत्र रूप से अपना काम कर रही थी और आगे बढ़ चुकी थी धीरे-धीरे उसने अपना पब्लिकेशन शुरू किया और लिखने के कार्य को और बढ़ाया और काफी लोगों को अपने साथ जोड़ दिया द्य अब जबकि उसे किसी से उम्मीद ही नहीं थी तो वह क्यों कर ही किसी का इंतजार किसी की प्रतीक्षा करती?? वह जिंदगी में आगे बढ़ चुकी थी और पीछे मुड़ना उसके लिए असंभव हो चुका था बच्चों ने भी उसका काफी साथ दिया और जिस कार्य के लिए उसे सुनना पड़ता था कि लिखती रहती है..लिखती रहती है द्य आज उसी ने उसे जीवन में ऊंचा उठा दिया था द्य इस क्षेत्र में उसने अपनी एक ऊंची पहचान बना ली थी लोग उसे उसके नाम और उसके पब्लिकेशन से जानने लगे थे पति को समय-समय पर उसकी आवश्यकता के अनुसार कुछ ना कुछ देती रहती थी पर अब उसने किसी से उम्मीद छोड़ दी थी इसलिए जीवन में अपने कार्य के प्रति समर्पण हो चुकी थी और अब वह सोचने लगी थी शायद मेरी मंजिल यही थी.. मैं कहाँ भटक रही थी तो चलो अपनी मंजिल की ओर बढ़ चलो..

चल रे मन मंजिल की ओर..

वंदना घनश्याला की कलम से

लघुकथा...चमत्कार

सेठ महावीर प्रसाद जी की कपड़े की दुकान सड़क के इस तरफ थी और चाय की स्टाल सड़क के उस तरफ, सड़क के बीचोबीच एक डिवाइडर था यदि सड़क के उस तरफ से इस तरफ आना है तो थोड़ा आगे चलकर जहाँ कट था वहीं से आ पाते थे वैसे दिखने में आमने सामने थी चाय की स्टाल और सेठ जी की कपड़े की दुकान। शाम को जब सेठ जी दुकान बंद कर घर जाते तो चाय की दुकान पर कुछ देर बैठते ..बातें करते और चाय पीते थे।आज सेठ जी ने दुकान खोली कुछ देर ही बैठ पाये थे कि दुकान के सामने एक लक्जरी कार रुकी, कार से दो साधू उतरे...मलंग, बड़ी लम्बी दाढ़ी, लम्बी लम्बी जटायें, बहुत आकर्षक चेहरे, माथे पर तिलक, गले में बड़ी बड़ी रुद्राक्ष की मालायें...

सेठ जी ने गद्दी से उठकर प्रणाम किया...

आयुष्मान भव...

क्या हालचाल हैं महावीर सेठ....

सेठ जी अपने नाम को सुनकर भौचक्के रह गए...

महाराज जी मैंने पहचाना नहीं...

क्या करेगा बच्चा पहचान कर...

हम तो रमते जोगी हैं...

हमें लोभ है न लालच है न डर है,

सारी धरती हमारी है

जहाँ ठहर गये वहीं हमारा घर है ।

ले बच्चा इस ताबीज को अपने बड़े बेटे रमेश के बच्चे बबलू को पहना देना उसकी तबियत जल्दी ही ठीक हो जायेगी ।

अब तो सेठ जी ने पैर पकड़ लिए महाराज जी के...

महाराज आप तो अंतरयामी हो सब जानते हो....

तेरा बेटा मास्टर है उसका ट्रांसफर रुक नहीं पा रहा है... ले इस भभूति की पुड़िया उसकी जेब में रख देना जहाँ चाहेगा वहीं नौकरी करेगा ।

सेठ जी ने पैर छूकर भभूति की पुड़िया ले ली ।

दोनों साधू उठकर जाने लगे तो सेठ जी ने चाय पानी की जिद की...

चल जल्दी मंगवाकर चाय पिला ध्यान रखना चाय स्टील के गिलास में हो...

जी महाराज जी.....

जैसे ही चाय आई महाराज जी ने आंखों को बंद करके ऊपर की ओर हाथ घुमाया तो उनके हाथ में एक ताबीज और आ गई....

सभी आश्चर्य चकित देखते रह गये....

महाराज जी ने आंखें खोलते हुए कहा... अरुण के नाम की ताबीज आई है...

कौन है अरुण...?

कौन है अरुण...?

सेठ जी तो अब बिलकुल पानी पानी हो गये.. हाथ जोड़कर बोले महाराज जी मेरा दूसरा बेटा है .. रमेश बड़ा बेटा है महाराज जी....

अरुण जिस कंपनी में जाब है उसका प्रमोशन होने वाला है दो गुणा पैकेज हो जायेगा यह ताबीज उसके पास भेज दे.....

जी महाराज जी.....

तेरे घर में तेरी पत्नी साक्षात लक्ष्मी है लक्ष्मी......

फिर आंखें बंद कर बोले... श. श.श.श.श. शारदा नाम है....

जय हो महाराज की... अब तक सेठ जी महाराज के भक्त बन चुके थे...

बस बच्चा अब हम प्रस्थान करेंगे।

जैसे ही साधु उठे तो सेठ हाथ जोड़ कर बोले ...

महाराज जी कुछ दक्षिणा.....

नहीं नहीं बच्चा हम दक्षिणा नहीं लेते...

सेठ जी गिड़गड़ाने लगे....

चल महाकाल पर ज्योति जलायेंगे तेरे नाम की...

एक कनस्तर देशी घी दे.....

सेठ जी बगल की दुकान पर घी लेने जाने लगे तो महाराज जी ने रोक दिया...

अरे बच्चा घी तो हम वहीं खरीद लेंगे पैसे हमारे चेले को दे दो...

एक कनस्तर घी की रेट मालूम करके ग्यारह हज़ार रुपये देकर अपने आपको धन्य महसूस कर रहे थे सेठ जी.... ।

पूरे दिन बड़े खुश...चलो शाम को घर सुनायेंगे आज के चमत्कार की बातें...

सचमुच धरती पर कितनी शक्तियां भरी पड़ी हैं सोच रहे थे ...सेठ जी बैठे बैठे....

दुकान बंद कर सामने चाय की दुकान पर रुक गये चाय पीने...

बैठते ही सेठ जी आज के चमत्कार की चर्चा करने लगे...

चाय वाले पंडित जी ने बीच में ही टोका... क्या कार से आये थे दो साधू....

सेठ जी बोले... हाँ.. पर तुम्हें कैसे पता...

हमारे यहाँ चाय पीने आये थे...

आपकी दुकान की तरफ इशारा करते हुए हमसे आपका नाम पूछा था...

कितने बच्चे हैं...

बच्चों के नाम पूंछे थे..

कोई नाती है

हमने रमेश के बच्चे का नाम बताया था... तबियत खराब है यह भी बताया था....

पर सेठ जी आप चुप क्यों हो गये...

बताओ.. बताओ...

क्या चमत्कार हुआ सेठ जी...

सचमुच धरती पर बहुत बड़ी बड़ी शक्तियां पड़ी हैं.. कहते हुए सेठ जी ने अपना थैला उठाया और घर की ओर चल दिए ।

सतीश श्रीवास्तव
मुंशी प्रेमचंद कालोनी करैरा

श्रेष्ठ और दृढ़ इच्छाशक्ति सफ़लता की चाबी है

मज़बूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है प्रबल इच्छाशक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है - दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे खुद सफ़लताएं नतमस्तक होकर कदम चूमती है - एड किशन भावनानी

गोंदिया - सृष्टि रचनाकर्ता ने मानवीय जीव के रूप में बहुत ही खूबसूरत रचना कर उसमें अनेक गुण दोषों का संयोजन उसने कर दिया है और उनका चुनाव करने के लिए श्रेष्ठ बुद्धि कौशलता रुपी एक सशक्त अस्त्र भी दिया है, बस!! अब अपने जीवन चक्र को सफलताओं या असफलताओं की ओर ले जाना मानवीय जीव के हाथ में है।

साथियों बात अगर हम माननीय जीवन ने गुणों की करें तो उनके गुणों में से एक इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण गुण है जो सफलता की चाबी भी है! परंतु न जाने क्यों हम इसको अनदेखा कर देते हैं और हम असफल हो जाते हैं और उसका दोष किस्मत या सृष्टि रचनाकर्ता को देते हैं जबकि उसनें मनुष्य जीव में गुणों का अंबार भरा है!! बस!!जरूरत है हमें अपने बुद्धि कौशलता से उसे पहचान कर प्रयोग करने की! तो सफलता आकर हमारे कदम चूमेगी। साथियों बात अगर हम दृढ़ इच्छाशक्ति की करें तो यह सफ़लता की चाबी है। मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी हो जाती है, क्योंकि प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है जिसके बल पर हम बड़ी से बड़ी पहाड़ तुल्य समस्याओं से भी यूं मुकाबला कर फ़तह हासिल कर सकते हैं। साथियों हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति की परिभाषा की करें तो, इच्छाशक्ति वह वृत्ति चक्र है जिसके अंतर्गत प्रत्यय, अनुभूति, इच्छा, गति या प्रवृत्ति, शरीर धर्म सबका योग रहता है। जो संकल्प को साकार करने का माध्यम बनती है वह इच्छाशक्ति कहलाती है। ऐसी बलवती इच्छा को जिसकी ज्योति अहर्निश कभी मंद न हो, उसे दृढ़ इच्छाशक्ति कहते हैं। हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही हमको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।

साथियों बात अगर हम दृढ़ इच्छाशक्ति के टाइमिंग की करें तो, जीवन में किसी भी चीज को पाने के लिए मेहनत से पहले मजबूत इच्छाशक्ति का होना बेहद जरूरी है। जैसे, कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति शुरुआत में किसी चीज को पाना चाहता है लेकिन धीरे-धीरे उसका हौंसला टूटने लगता है या उसका मन बदल जाता है, ऐसा कमजोर इच्छाशक्ति के कारण होता है इसलिए किसी भी चीज को पाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का होना बहुत

जरूरी है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं, ऐसी बातें जिनपर अमल करके हमारी इच्छाशक्ति मजबूत होगी। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति को मजबूत करने की करें तो, अपने काम पर दृढ रहें,अपनी इच्छा शक्ति को बहुत ज्यादा मजबूत बनाने के लिए यह भी एक बहुत ही अच्छा तरीका है कि हम अपने काम पर बहुत जबरदस्त तरीके से फोकस करें। यानें हम अपने काम पर दृढ़ रहें। कोई कुछ भी कहे अगर हमने यह मन बना लिया है कि हमको ये काम करना है तो हमको ये काम करना ही करना है। हमको किसी और बातों पर ध्यान नहीं देना है। अगर हम अपने काम पर दृढ रहेंगे तो हमारा दिमाग यह बात समझ लेगा कि यह चीज हमारे जीवन में बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है इसलिए हम इस काम को बहुत ही दिल से मन लगा कर दृढ़ प्रतिज्ञ होकर कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति के लिए लक्ष्यों की करें तो, हम अपना लक्ष्य निश्चित करें अगर हमको हमारे जीवन में सफलता चाहिए तो यह हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि सबसे पहले हम हमारे जीवन में अपने लक्ष्य को निश्चित करें। तब ही हम किसी चीज को अपने जीवन में फॉलो कर पाओगे। नहीं तो ऐसे हम अपने जीवन में किस चीज को फॉलो करोगे, किस चीज के लिए हम विल पावर बढ़ाएंगे, तो सबसे पहले हमारे लिए जरूरी है कि हम अपने जीवन में लक्ष्य को निर्धारित करें। एक बार हम अपने जीवन में अपने लक्ष्य को निर्धारित कर लेंगे उसके बाद हमारा दिमाग लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने लगेगा। बस हम अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें। साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को जगाने की करें तो, निम्न बिंदुओं पर अभ्यास कर इच्छाशक्ति को जाग्रत किया जा सकता है। इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने के लिए शुरुआत करने के लिए सबसे पहले हमें तनाव के स?तर का प्रबंधन करने की जरूरत होती है। (1)सकारात्मक नजरिया (2)तनाव प्रबंधन करना सीखें (3) खुद पर पूरा विश्वास रखें (4)बेहतर ऊर्जा प्रबंधन करें (5) अं?तञ्शक्तियों को कें?द्रीभूत करें (6) स्वयं के प्रति ईमानदार बनें (7) सही पोषण, योग और व्यायाम।

साथिया बात अगर हम इच्छा शक्ति के टॉनिक की करें तो, जैसे हैं वैसे ही बने रहें दिखावा बिल्कुल भी मत करें हम जैसे भी हो वैसे ही बने रहें। किसी भी प्रकार का कोई शो ऑफ करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर हम कोई एक चीज जैसे हो वैसे ही प्राप्त करते हो तो वह चीजें हमको जिंदगी भर तक हमारे साथ रहती है और हमको अच्छा रिजल्ट भी मिलता है। दरअसल यह चीज हम अपने वास्तविक परिश्रम से हासिल किए रहते हो इसलिए वह जिंदगी भर हमारे साथ रहती है और यह हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है। ना केवल हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के रोडमैप की करें तो, पेपर पर अपने लक्ष्य को लिखें इसके लिए हमको थोड़ी दिमागी कसरत भी करनी पड़ेगी। बेहतर होगा कि हम अपना लक्ष्य पेपर पर लिखकर उससे जुड़ी चुनौतियां भी लिख लें, इससे हमको उन चुनौतियों से कैसे लड़ना है, यह भी अंदाजा हो जाएगा। आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति जीवन में कई बार ऐसे मौके आएंगे, जब हमारा विश्वास डगमगाने लग जाएगा और हमको लगेगा कि हमारा लक्ष्य व्यर्थ है, लेकिन उस वक्त हमको इन नकरात्मकताओं से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है।

साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को चिंता से दूर करने की करें तो...चिंता ना करें, चिंतन करें- किसी भी बात की चिंता मत करें। बल्कि उसके बारे में चिंतन करें कि इसका समाधान क्या हो सकता है। इससे एक तो हमारी मानसिक शक्ति बढ़ेगी और दूसरा हमारी समस्याओं का समाधान भी होगा। यह एक ऐसा अभ्यास है, इससे धीरे-धीरे हम इतने मजबूत हो जाएंगे कि हमको हर मुश्किल एक अवसर लगेगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि श्रेष्ठ और दृढ़ इच्छाशक्ति सफलता की चाबी है! मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है। प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है-दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे खुद सफलताएं नतमस्तक होकर कदम चूमती है।- **एड किशन भावनानी**

अमिताभ के हेयरस्टाइलिस्ट थे आलिम हकीम के पिता

बॉलीवुड एजेंसी

सेलिब्रिटी हेयरस्टाइलिस्ट आलिम हकीम के पिता हकीम कैरानवी एक समय अमिताभ बच्चन और विनोद खन्ना जैसे टॉप स्टार्स के पर्सनल हेयरस्टाइलिस्ट रहे। उन्होंने इंटरनेशनल सितारों जैसे ब्रूस ली और रिचर्ड हैरिस के भी बाल बनाए थे। बता दें कि जब वे अमिताभ बच्चन के बाल काट रहे थे, तभी उनके सीने में दर्द उठा। अगले ही दिन, 39 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। आलिम ने बताया कि उस वक्त उनकी उम्र सिर्फ 9 साल थी और उनके परिवार के पास सिर्फ 13 रुपए बचे थे। पिता के निधन के बाद फिल्म इंडस्ट्री ने उनके परिवार की कोई खास मदद नहीं की थी। हिंदी रश से बातचीत में आलिम ने कहा, ÷मेरे पापा उस वक्त फिल्म 'मर्द' में अमिताभ बच्चन के बाल बना रहे थे। तभी उन्हें सीने में दर्द हुआ, जिसके बाद बच्चन साहब ने तुरंत कहा कि फ्लाइट पकड़ो और किसी हॉस्पिटल में दिखाओ। अगले दिन उनका देहांत हो गया। उस वक्त मैं सिर्फ 9 साल का था। हमें कुछ समझ नहीं आ रहा था क्या करें। उन दिनों लोग सेविंग नहीं करते थे, जितना कमाते थे, खर्च कर देते थे। मुझे याद है जब वो गए, तब हमारे पास सिर्फ 13 रुपए थे। जब इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या फिल्म इंडस्ट्री से किसी ने आगे बढ़कर मदद की, या आलिम को सपोर्ट किया, तो उन्होंने कहा, ÷हमें इंडस्ट्री से कोई मदद नहीं मिली। कुछ लोग जरूर आए, लेकिन बस थोड़ी देर के लिए। कोई हमारे साथ नहीं रुका। आलिम ने कहा, ÷कहते हैं ना, 'चढ़ते सूरज को सलाम'। यही हाल था। जो सितारे रोज हमारे घर आते थे, वो सब बंद हो गया। मेरी मां लोगों के पास जाती थीं, कहती थीं कि खाने को भी कुछ नहीं है।

ED के ऑफिस में डीनो मोरिया ने दर्ज करवाया बयान

बॉलीवुड एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर डीनो मोरिया गुरुवार सुबह (एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट) के दफ्तर पहुंचे। उनसे लगातार मीठी नदी घोटाले के मामले पूछताछ जारी है, आज उन्होंने अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड करवाया है। डीनो को समन कर बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, हालांकि वो कल नहीं पहुंचे थे। कुछ समय पहले ही इस मामले में श्वष्ठ ने एक्टर के घर पर रेड की थी। डीनो मोरिया सुबह करीब 10 बजकर 30 मिनट पर साउथ मुंबई में स्थित बलार्ड स्टेट के दफ्तर पहुंचे थे। एक्टर के भाई सेंटिनो भी जांच के दायरे में हैं, वो भी उनके साथ पहुंचे थे। मीठी नदी की सफाई के चलते 65 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ था। जांच में डीनो के कुछ फायनेंशियल ट्रांजैक्शंस मिले हैं, जो इस मामले के मुख्य आरोपी के साथ हुए थे। इसी मामले में उनका बयान दर्ज करवाया जा रहा है। इससे पहले 12 जून को भी श्वष्ठ ने डीनो मोरिया से पूछताछ की थी। 6 जून को इस मामले में डीनो मोरिया के मुंबई स्थित घर में छापा मारा गया था। इस मामले में मुंबई और कोच्चि के करीब 15 ठिकानों पर रेड की गई थी। दरअसल, मुंबई महानगरपालिका द्वारा मीठी नदी की सफाई करवाई गई थी। इसके लिए स्लज पुशर और ड्रेजिंग मशीनों का इस्तेमाल किया गया है। मशीनों को कोच्चि की कंपनी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड से बड़ी रकम पर लिया था। मामले की जांच में सामने आया कि केतन कदम और जय जोशी ने मैटप्रॉप कंपनी के अधिकारियों और के स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स विभाग के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर सफाई के नाम 65 करोड़ रुपए का घोटाला किया।

अक्षय कुमार की केसरी 2 के प्रोड्यूसर्स पर हुई एफआईआर

बॉलीवुड एजेंसी

पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' के प्रोड्यूसर्स पर इतिहास के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि फिल्म में बंगाल के स्वतंत्रता सेनानियों की गलत छवि पेश की गई है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि फिल्म में क्रांतिकारी खुदीराम बोस का नाम खुदीराम सिंह बताया गया है। वहीं, बारीन्द्र कुमार घोष को बीरेंद्र कुमार और वह भी अमृतसर का बताया गया है। नेताओं कुणाल घोष और अरुप चक्रवर्ती ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह सिर्फ गलती नहीं, बल्कि बंगाल की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका को मिटाने की साजिश है। बता दें कि फिल्म के सात प्रोड्यूसर्स के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में बिधाननगर साउथ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बिना फिल्म का नाम लिए कहा कि बंगाल के स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की कोशिशें बीजेपी के समर्थन से हो रही हैं। उन्होंने कहा, हम इसकी निंदा करते हैं। बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। ञस्ष्ट ने यह भी आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है जब केंद्र सरकार ने बंगाल की विरासत को कमजोर करने की कोशिश की है। ञस्ष्ट का यह भी कहना है कि फिल्म में क्रांतिकारी हेमचंद्र कानूनगो की भूमिका को बदलकर कृपाल सिंह नाम का काल्पनिक किरदार जोड़ा गया है।

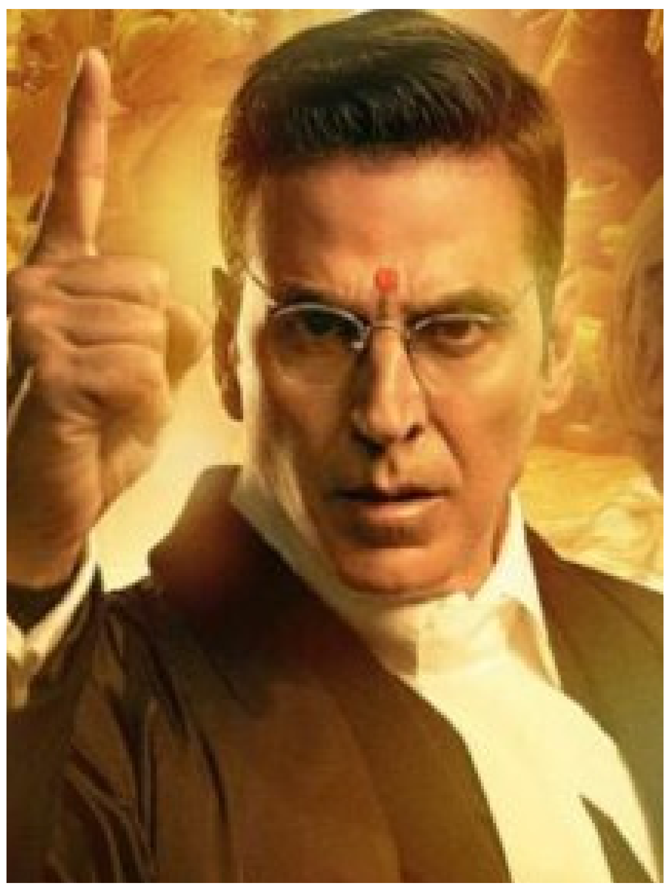

संजय कपूर का अंतिम संस्कार आज दिल्ली में

बॉलीवुड एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति और बिजनेसमैन संजय कपूर का 12 जून को निधन हो गया था। अब 7 दिन बाद आज, यानी 19 जून को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में होगा। इस बात की जानकारी परिवार ने प्रेस नोट जारी कर दी है। संजय कपूर का अंतिम संस्कार आज शाम 5 बजे दिल्ली के लोधी रोड श्मशान भूमि में होगा। इसके बाद उनकी प्रेयर मीट सेरेमनी 22 जून को दिल्ली के ताज पैलेस होटल में शाम 4 से 5 बजे होगी। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए करिश्मा कपूर, बच्चों कियान और समायरा के साथ दिल्ली के लिए रवाना हो चुकी हैं। करीना कपूर और सैफ अली खान भी मुंबई से निकल चुके हैं। संजय कपूर की कंपनी सोना कॉमस्टार ने एक नोट जारी कर प्रेयर मीट की जानकारी दी है। जिसमें लिखा गया है, जिन लोगों ने नाम का ध्यान किया, और मेहनत से जीवन बिताया, नानक कहते हैं उनके चेहरे उज्जवल होते हैं और अनेक लोग उनके साथ मुक्ति पाते हैं। प्रेयर मीट के आखिर में संजय कपूर के माता-पिता, पत्नी प्रिया के साथ-साथ चारों बच्चों कियान, समायरा, सफीरा और अजारियस का भी नाम है। बताते चलें कि करिश्मा कपूर ने साल 2003 में संजय कपूर से शादी की थी। इस शादी से कपल को दो बच्चे बेटी समायरा और बेटा कियान हुए।

कुबेरा के 19 सीन पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

बॉलीवुड एजेंसी

धनुष, रश्मिका मंदाना और नागार्जुन स्टारर फिल्म कुबेरा 20 जून को रिलीज होनी है। रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने फिल्म में 19 बदलाव करने की मांग की है। इन बदलाव के साथ बोर्ड ने फिल्म को / सर्टिफिकेट दे दिया है। (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) ने मंगलवार को फिल्म को / सर्टिफिकेट देने के साथ फिल्म से 19 सीन कट करवाए हैं। आंध्र बॉक्स ऑफिस की रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड ने पॉलिटिकल पार्टी के रिफरेंस वाले सीन समेत धनुष और सामंथा के सीन हटवाए हैं। कट लगने के बाद अब फिल्म का कुल रनटाइम 181 मिनट यानी 3 घंटे 1 मिनट हो चुका है। फिल्म कुबेरा और आमिर खान की सितारे जमीन पर एक ही दिन 20 जून को रिलीज हो रही हैं। ऐसे में दोनों फिल्मों का बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने मिलेगा। फिल्म कुबेरा, तमिल और तेलुगु भाषा में बनी है। वहीं सितारे जमीन पर भी तमिल और तेलुगु भाषा में डब की गई है। कुबेरा से पहले आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर भी सेंसर बोर्ड ने 2 बदलाव के सुझाव दिए थे। हालांकि मेकर्स ने सुझाव स्वीकार नहीं किए, जिसके चलते फिल्म को/13+ सर्टिफिकेट दिया है। यानी 13 साल से छोटी उम्र के बच्चों के पेरेंट्स की इजाजत के साथ ही फिल्म देखने मिलेगी। फिल्म कुबेरा के स्ट्रीमिंग राइट्स अमेजम प्राइम ने खरीदे हैं, जबकि सितारे जमीन पर सिनेमाघरों के बाद किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज नहीं होगी। बताते चलें कि फिल्म सितारे जमीन पर साल 2018 में आई स्पेनिश फिल्म चैम्पियंस की ऑफिशियल रीमेक है।

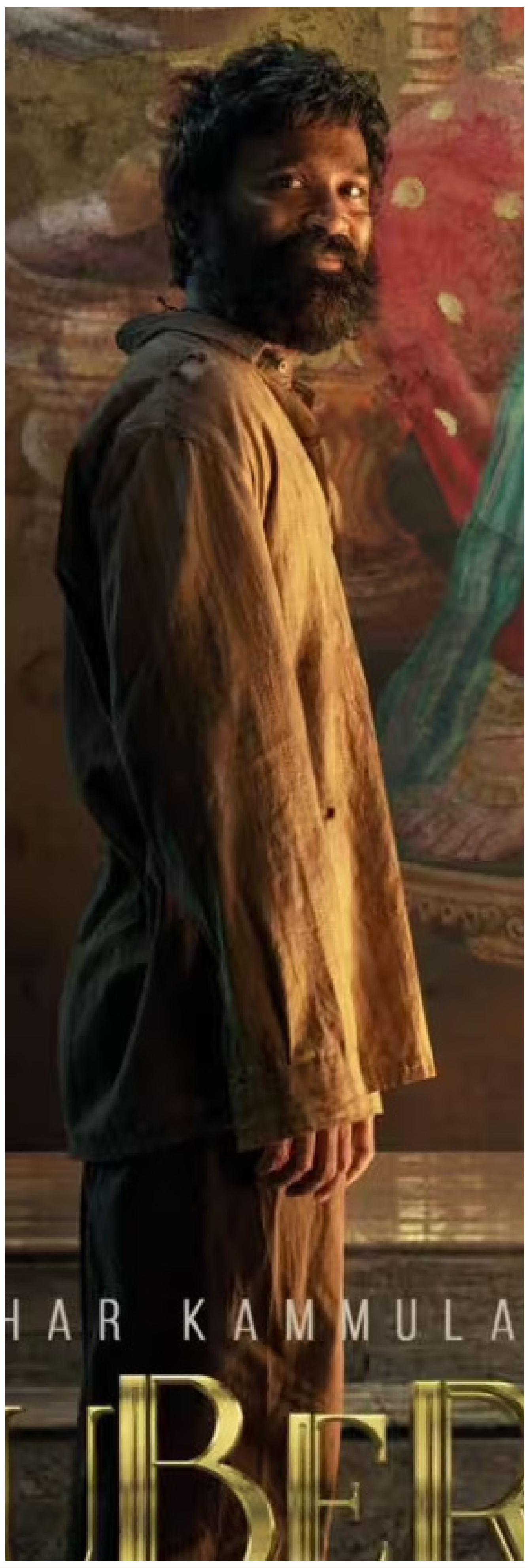

लेटेंट विवाद के बाद अपूर्वा मुखीजा को मकानमालिक ने भगाया नोटिस चिपकाने, समन करने आती थी पुलिस

बॉलीवुड एजेंसी

इन दिनों रियलिटी शो द ट्रेटर्स में नजर आ रहीं अपूर्वा मुखर्जी, शो इंडियाज गॉट लेटेंट में आकर सुर्खियों में रही थीं। शो में साथी पैनल जज रणवीर अलाहाबादिया की पेरेंट्स पर अश्लील टिप्पणी के बाद सभी के खिलाफ शिकायतें दर्ज हुई थीं। विवादों के चलते अपूर्वा मुखर्जी को मकानमालिक ने घर से भगा दिया था। इस बात का खुलासा खुद अपूर्वा मुखीजा ने अपने हालिया इंटरव्यू में किया है। अपूर्वा ने मेशेबल इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा है, मेरे पिछले घर में पुलिस आई थी नोटिस लगाने और मुझे समन करने। मेरी बिल्डिंग वालों ने शिकायत की कि बिल्डिंग में पुलिस आ रही है, कितनी गलत बात है, इसलिए हम बैचलर्स को नहीं रहने देते, इसलिए हम अकेली लड़की को नहीं रहने देते। मैंने अकेले बिल्डिंग से फेमिनिज्म हटा दिया था। मुझे बोला गया कि आप जाओ। मैं सिर्फ एक साल रही उस घर में। बताते चलें कि इससे पहले भी अपूर्वा मखीजा बता चुकी हैं कि उन्हें विवादों के चलते कई तरह की धमकियां मिलने लगी थीं, जिनकी वजह से वो अपने घर नहीं जा पा रही थीं। जब उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ था, तो वो शूटिंग सेट पर थीं। उनकी टीम ने इसकी जानकारी दी

और कहा कि वो अब घर नहीं जा सकतीं क्योंकि कई लोग उनका पता जानते हैं। अपूर्वा ने कहा था कि वो धमकियों से डरने लगी थीं, यही वजह रही कि वो कुछ दिनों तक दोस्तों के घर थीं। कुछ समय पहले ही अपूर्वा ने भावुक अंदाज में मुंबई वाला घर छोड़ने पर एक पोस्ट शेयर की थी। शेयर की गई तस्वीर में अपूर्वा खाली घर की लाइट्स ऑफ करती दिख रही थीं।कॉमेडियन समय रैना ने डार्क कॉमेडी के लिए मशहूर शो इंडियाज गॉट लेटेंट शुरू किया था। शो का एक एपिसोड 8 फरवरी को रिलीज किया गया, जिसमें अपूर्वा मखीजा, रणवीर अलाहाबादिया और आशीष चंचलानी जैसे कई कॉमेडियन जज पैनल में थे। शो में रणवीर अलाहाबादिया ने एक कंटेस्टेंट से पेरेंट्स पर अश्लील सवाल किया था। सवाल इतना अश्लील था, जिसे खबर में नहीं लिखा जा सकता है। वहीं अपूर्वा ने भी एक कंटेस्टेंट को फटकारते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया था। क्लिप वायरल होने के बाद शो से जुड़े सभी लोगों के खिलाफ कई शहरों में शिकायतें दर्ज हुईं। कोर्ट ने इस मामले में रणवीर अलाहाबादिया को जमकर फटकार भी लगाई थी। शो को तुरंत ही बंद कर दिया गया और यूट्यूब पर मौजूद इसके सभी एपिसोड डिलीट करवाए गए। विवाद बढ़ते ही सभी ने समय के साथ माफी मांग ली है।

क्या आपका कुकिंग ऑयल दे रहा है आपके दिल को धोखा? जानें एक्सपर्ट्स की पसंद

आप शायद सोचते होंगे कि खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल से क्या फर्क पड़ता है, पर यह आपकी सेहत को कई तरह से प्रभावित करता है। हर तेल की अपनी ख़ासियत और कुछ कमियां होती हैं। आज हम आपको हृदय रोग विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए कुछ बेहतरीन तेलों के बारे में बताएंगे, जिनके फ़ायदे जानकर आप उन्हें अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। दिल का दौरा (हार्ट अटैक) आजकल एक गंभीर समस्या बन गई है, और ऐसे में अपने दिल की सेहत का ख्याल रखना बेहद ज़रूरी हो गया है। पर सवाल यह है कि दिल को स्वस्थ कैसे रखें? इसका सबसे आसान तरीका है अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना और उन चीज़ों को अपने आहार से हटाना जो दिल के लिए हानिकारक हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि फिर खाएं क्या? यह अक्सर लोगों को परेशान करता है, पर आपको घबराने की कोई ज़रूरत नहीं। आप एक छोटे से बदलाव से शुरुआत कर सकते हैं और वह है सही कुकिंग ऑयल का चुनाव करना। आप शायद सोचते होंगे कि खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल से क्या फर्क पड़ता है, पर यह आपकी सेहत को कई तरह से प्रभावित करता है। हर तेल की अपनी ख़ासियत और कुछ कमियां होती हैं। आज हम आपको हृदय रोग विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए कुछ बेहतरीन तेलों के बारे में बताएंगे, जिनके फ़ायदे जानकर आप उन्हें अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। कार्डियोलॉजिस्ट और फंक्शनल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. आलोक चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने पांच तेलों और उनके फायदों के बारे में बात की। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि भारतीय खाना पकाने के लिए सबसे अच्छे तेल- विज्ञान द्वारा समर्थित, न कि रुझानों द्वारा। जानिए आपके खाने और आपके शरीर के लिए कौन सा तेल कारगर है। मुंह-फेफड़े के कैंसर से लेकर हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाता हैं तंबाकू का सेवन, आज ही बना लें दूरी घी- डॉ. चोपड़ा के अनुसार, घी पाचन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है क्योंकि इसमें विटामिन ए, डी, ई और के भरपूर मात्रा में होते हैं। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में भी मदद करता है। एक व्यक्ति को दिन में 1-2 चम्मच घी खाने की सलाह दी जाती है। उच्च कोलेस्ट्रॉल या हृदय रोग वाले लोगों को सीमित मात्रा में घी का सेवन करना चाहिए। नारियल का तेल- हृदय रोग विशेषज्ञों के अनुसार, नारियल का तेल आपके दिमाग और आंत के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। यह मुख्य रूप से मीडियम-चेन ट्राइग्लिसराइड्स (स्ष्टञ्जह्य) से भरपूर होता है। स्ष्टञ्जह्य वसा के ऐसे अणु होते हैं जो नारियल और पाम कर्नेल तेल में पाए जाते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (हृढ्ढ॥) के अनुसार, स्ष्टञ्जह्य शरीर में जल्दी टूट जाते हैं, जिससे वे ऊर्जा का एक त्वरित स्रोत बन जाते हैं। इन्हें बेहतर शारीरिक कार्यों और कई स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में सहायक माना जाता है। हालांकि स्ष्टञ्जह्य के अपने फ़ायदे हैं, नारियल के तेल में संतृप्त वसा (saturated fat) की मात्रा बहुत ज़्यादा होती है। अत्यधिक संतृप्त वसा का सेवन रक्त में %खराब% कोलेस्ट्रॉल (स्रुरु) के स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए, इसका उपयोग सीमित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। सरसों का तेल- डॉ. चोपड़ा के अनुसार, सरसों का तेल हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक है और शरीर में सूजन को कम करता है। यह आपके दिल के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह ओमेगा-3 फैटी एसिड से भी भरपूर होता है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। कच्चे सरसों के तेल में इरुसिक एसिड (erucic acid) नामक एक यौगिक होता है, जिसकी उच्च मात्रा कुछ अध्ययनों में हृदय स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाई गई है। हालांकि, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (स्नस्स्ड्ढ) द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर प्रोसेस्ड सरसों का तेल आमतौर पर सुरक्षित माना जाता है। सुनिश्चित करें कि आप खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने वाला तेल ही उपयोग करें। आंखों में लगातार होने वाला दर्द गंभीर स्वास्थ्य समस्या का हो सकता है संकेत, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट तिल का तेल- डॉ. चोपड़ा के अनुसार, तिल का तेल जोड़ों और त्वचा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह एंटीऑक्सीडेंट्स और स्वस्थ वसा से भी भरपूर होता है, जो इसे भारतीय खाना पकाने के लिए एक बढ़िया और पौष्टिक विकल्प बनाता है। तिल का तेल अपने विरोधी भड़काऊ गुणों के लिए भी जाना जाता है। तिल के तेल में ओमेगा-6 फैटी एसिड की मात्रा ज़्यादा होती है। जबकि ओमेगा-6 शरीर के लिए आवश्यक हैं, इनका अत्यधिक सेवन ओमेगा-3 के अनुपात में असंतुलन पैदा कर सकता है, जो कुछ लोगों में सूजन को बढ़ा सकता है। इसका उपयोग भी संतुलित मात्रा में करना चाहिए। मूंगफली का तेल- हृदय रोग विशेषज्ञ ने बताया कि मूंगफली के तेल में स्वस्थ वसा होती है और यह प्लांट स्टेरोल (श्चद्यड्डठ्ठह्ल ह्यह्लद्गह्म्श्youll) से भरपूर होता है। प्लांट स्टेरोल आहार कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को कम करने में मदद कर सकते हैं, जिससे हृदय स्वास्थ्य को लाभ मिल सकता है। डॉक्टर ने चेतावनी दी है कि मूंगफली का तेल तभी दिल के लिए अनुकूल है जब इसे संयम से इस्तेमाल किया जाए। इसमें भी ओमेगा-6 फैटी एसिड की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है, और इसे ज़्यादा गरम करने पर कुछ अस्वास्थ्यकर यौगिक बन सकते हैं। डीप-फ्राई करने के बजाय कम तापमान पर खाना पकाने के लिए इसका उपयोग करना बेहतर है।

पंजाब में बहुत फेमस है कच्चे आम की ये रेसिपी, आप भी घर पर जरूर बनाएं

पंजाब में कच्चे आम की लौंजी बनती है। यह न सिर्फ खाने में अच्छी होती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी मानी जाती है। ऐसे में आप भी इसको बना सकती हैं और लंबे समय तक स्टोर भी कर सकती हैं। इसलिए आज हम आपके साथ कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। गर्मियों में चिलचिलाती धूप और उमस परेशान कर देती है। तो वहीं दूसरी ओर तरबूजा-खरबूजा के बीच आम सबसे ज्यादा डिमांड में रहता है। क्योंकि यह खट्टा-मीठा फल हर किसी को पसंद होता है। इसलिए लोग मैंगो आइस्क्रीम, आम की चटनी और आम का अचार से लेकर अलग-अलग तरह की डिश बनती है। भारत के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरीके से आम खाया जाता है। जैसे पंजाब में कच्चे आम की लौंजी बनती है। यह न सिर्फ खाने में अच्छी होती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी मानी जाती है। ऐसे में आप भी इसको बना सकती हैं और लंबे समय तक स्टोर भी कर सकती हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं।

सामग्री

एक किलो कच्चा आम और गुड़ एक चम्मच मोटी सौंफ एक चम्मच सूखा साबुत धनिया एक चम्मच जीरा एक चम्मच कलौंजी धनिया पाउडर लाल मिर्च पाउडर जीरा पाउडर नमक- हींग काला नमक काली मिर्च पाउडर घी और सरसों का तेल कच्चे आम की ये खास डिश बनाने के लिए कैरी पर स्टेप साइड 8 से 10 जगह सुई से छेद करें। फिर एक कड़ाही में तेल गर्म करके कच्चे आम को डाल दें। सॉफ्ट होने तक पकाएं और तेल से निकालकर ठंडा होने के लिए अलग रख दें। अब कच्चे आम का छिलका निकाल दें। इसके बाद एक बाउल में मोटी, सौंफ, कलौंसी और सूखा साबुत धनिया डालकर दरदरा पीस लें।

ऐसे बनाएं पंजाबी लौंजी

पंजाबी लौंजी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में घी डालकर गर्म होने दें। फिर दरदरे पिसे हुए मिक्सर को डालकर पकाएं। जब तक यह पके, तब तक आप मसाला तैयार कर लें। इसके लिए एक कटोरी में लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, हींग, नमक, काला नमक और काली मिर्च पाउडर डालकर पानी मिलाकर घोल बना लें। आप चाहें तो यह मसाला पहले बनाकर रख सकते हैं। दरदरा मिक्सर हल्का पकाने के बाद मसाले को घोलकर डालें। जब यह पक जाए, तो इसमें गुड़ और कच्चे आम के पल्प भी डालें। फिर 4-5 मिनट तक पकाने के बाद आपकी पंजाबी लौंजी बनकर तैयार हो जाएगी।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

अगर आप देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे

अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है। इसे भी पढ़ें- ञ्जह्ड्ड1द्गद्य ञ्जद्बश्चह्य- हैदराबाद में बारिश के बाद इन जगहों को देखकर हो जाएंगे खुश, जन्नत में आने का होगा एहसास रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

पोल्का डॉट साड़ी से बनाए खूबसूरत ड्रेस, लगेंगे क्लासी और खूबसूरत

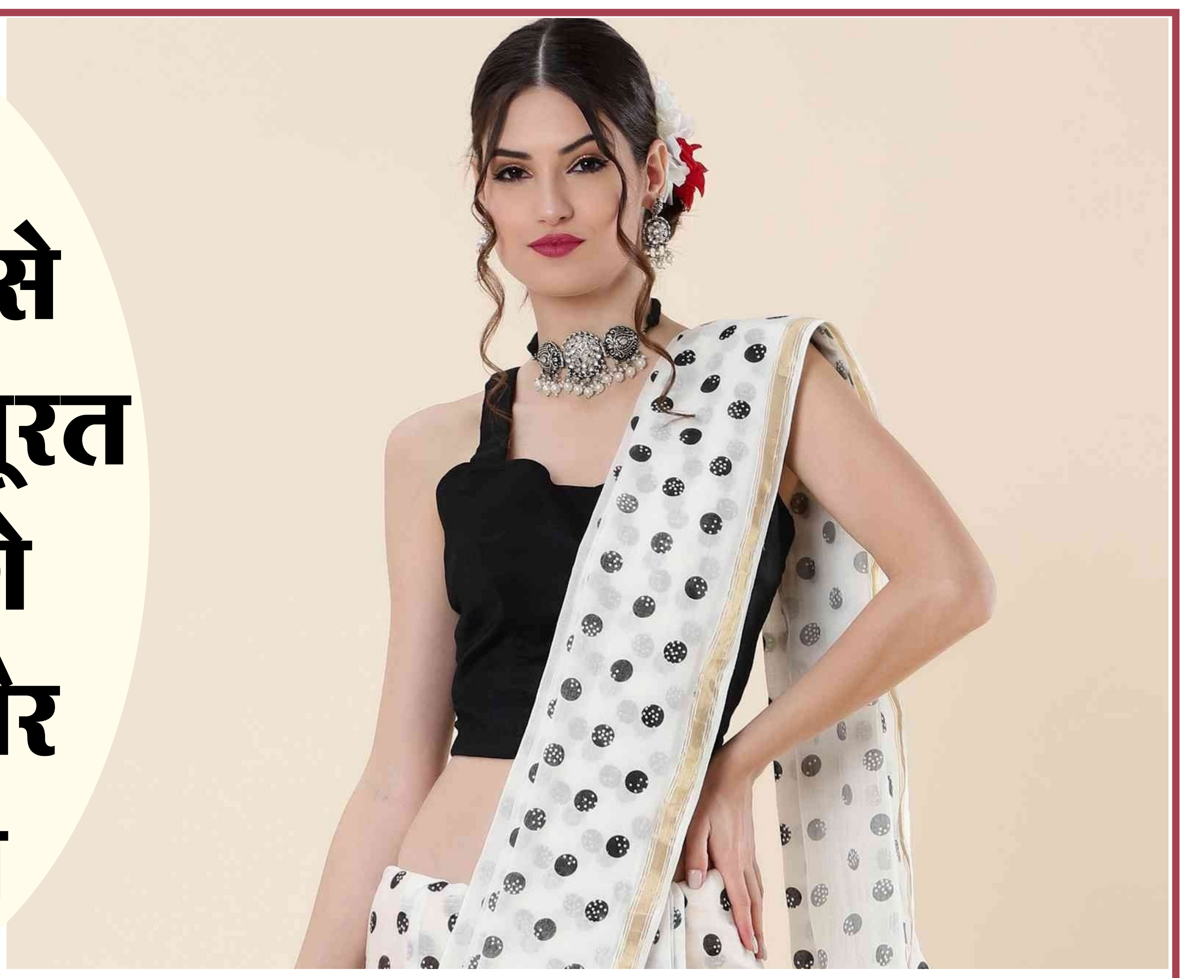

आपके पास भी इस तरह की पोल्का डॉट साड़ी हैं और अब इन साड़ियों को आप नहीं पहनती हैं। तो आप इन साड़ियों के इस्तेमाल से डिजाइनर ड्रेस तैयार कर सकती हैं। ऐसे में आप इन ड्रेसेज को पहनकर काफी खूबसूरत लगेंगी। आजकल पोल्का डॉट साड़ी काफी चलन में हैं। ऐसे में ज्यादातर महिलाओं के पास यह साड़ी देखने को मिल जाएगी। हालांकि दो-तीन बार एक साड़ी को पहनने के बाद ज्यादातर महिलाएं इन्हें किसी और को दे देती हैं या फिर उस साड़ी को फेंक देती हैं। ऐसे में आपके पास भी इस तरह की पोल्का डॉट साड़ी हैं और अब इन साड़ियों को आप नहीं पहनती हैं। तो आप इन साड़ियों के इस्तेमाल से डिजाइनर ड्रेस तैयार कर सकती हैं। ऐसे में आप इन ड्रेसेज को पहनकर काफी खूबसूरत लगेंगी। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पोल्का साड़ी से बनने वाली ड्रेस के बारे में बताने जा रहे हैं।

पोल्का डॉट वन शोल्डर मिडी ड्रेस

अगर आपके पास ब्लैक एंड व्हाइट कलर की पोल्का डॉट साड़ी है। तो इसका इस्तेमाल करके पोल्का डॉट वन शोल्डर मिडी ड्रेस तैयार कर सकती हैं। इस ड्रेस के साथ मेकअप, एक्सेसरीज और हील्स भी शामिल कर सकती हैं। इस ड्रेस को पहनकर आपका लुक गॉर्जियस लगेगा। Beauty Tips: पिगमेंटेशन दूर करने के लिए ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, केमिकल युक्त क्रीमों का इस्तेमाल पड़ सकता है महंगा

प्रिंटेड फिट एंड फ्लायर ड्रेस

आप किसी भी पोल्का डॉट साड़ी के इस्तेमाल से प्रिंटेड फिट एंड फ्लायर ड्रेस बना सकती हैं। इस ड्रेस को आप किसी भी फंक्शन में भी जा सकती हैं। आप टेलर की मदद से या खुद से इसको अपनी साइज के हिसाब से बनवा सकती हैं। वहीं मेकअप और हेयर स्टाइल से अपने लुक की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

नेवी ब्लू पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस

अगर आप भी भीड़ से हटकर नजर आना चाहती हैं तो आप पोल्का डॉट साड़ी का इस्तेमाल कर नेवी ब्लू पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस तैयार करवा सकती हैं। यह आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। वहीं आप चाहें तो इस ड्रेस को घर पर भी तैयार कर सकती हैं। आप इस ड्रेस को पहनकर क्लासी और मॉर्डन लुक क्रिएट कर सकती हैं।

पोल्का डॉट लेयर्ड मिडी ड्रेस

आप चाहें को अपनी किसी भी पोल्का डॉट साड़ी का इस्तेमाल कर पोल्का डॉट लेयर्ड मिडी ड्रेस को बना सकती हैं। इसको पहनकर आप किसी खूबसूरत हसीना से कम नहीं लगेंगे।

भगवान भोलेनाथ और देवी पार्वती का पाणिग्रहण

समस्या यह है कि संसांरिक व्यक्ति माया व अज्ञानता के प्रभाव में आकर, यह ही निर्णय नहीं ले पाते, कि उनके मानव जीवन को पाने का वास्तविक लक्ष्य माया जगत नहीं, अपितु ईश्वरीय परम् धाम है। ठीक है, मार्ग में परीक्षाएं होंगी, अपने ही दुश्मनों की भांति आपका मार्ग अवरुद्ध करेंगे। पिछ्ले कितने ही सोपानों में हम भगवान् शिव-पार्वती विवाह के दिव्य आनंद सरोवर में गोते लगा रहे हैं। जीवन का सार-रस हमने अध्यात्म की कितनी गुत्थियों को सुलझाते हुए ही पाया है।

मानव जीवन की कहानी है ही शिव विवाह से प्रेरित। क्योंकि देवी पार्वती जैसे अनेकों तप करती है, परीक्षाएं देती हैं, अपने तन पर कठिन से कठिन कष्ट सहती हैं। ठीक इसी प्रकार हमारी आत्मा भी चौरासी लाख योनियों के चक्रव्यूह में भ्रमण करते हुए अनेकों कष्टों को सहती है। जिस प्रकार देवी पार्वती के जीवन का एकमात्र लक्ष्य केवलमात्र भगवान शिव को प्राप्त करना था। ठीक इसी प्रकार हमारी आत्मा का भी एकमात्र लक्ष्य परमात्मा में विलय होना है। लेकिन समस्या यह है कि संसांरिक व्यक्ति माया व अज्ञानता के प्रभाव में आकर, यह ही निर्णय नहीं ले पाते, कि उनके मानव जीवन को पाने का वास्तविक लक्ष्य माया जगत नहीं, अपितु ईश्वरीय परम् धाम है। ठीक है, मार्ग में परीक्षाएं होंगी, अपने ही दुश्मनों की भांति आपका मार्ग अवरुद्ध करेंगे। किन्तु तब भी भले ही एक पत्ता खाकर भी दिन काटना पड़े और अर्पणा बनने पड़े फिर भी अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहना है। तभी भगवान् शंकर स्वयं हमें वर्ण करने के लिए, हमारे अंर्तघट की चौखट पर आएंगे। इसे भी पढ़ें- त्न4ड्ड्ठ त्नड्ड्ठद्दड्ड- पर्वतराज हिमाचल ने पार्वती का हाथ पकड़कर शिवजी को समर्पित कर दिया और आज भगवान भोलेनाथ सचमुच देवी पार्वती को वर्ण करने हेतु उनकी चौखट पर आ चुके हैं। मुनि जन वेद् मंत्रें की पवित्र ध्वनियों से वातावरण को बैकुण्ठ से भी पवित्र रूप दे रहे हैं। अब बारी आई कि विवाहक जोड़ी के अराध्य देव का पूजन करेंगे तो सोचिए कि भगवान् शंकर व देवी पार्वती ने किसका पूजन किया होगा? जब सबसे बड़े देव,देवों के देव भी महादेव भी स्वयं भगवान् शंकर हैं तो भला किसका पूजन करेंगे? स्वयं भगवान् राम जब सागर पार करने से पूर्व शिवलिंग बनाकर, भोलेनाथ की पूजा करते हैं, तो समझ लीजिए कि उनका स्थान क्या है? किन्तु विवाह का संस्कार ही है, कि विवाहक जोड़ी को अपने इष्ट प्रमात्मा का पूजन करना होगा। तो सोचिए उन्होंने किसका पूजन किया होगा? गोस्वामी तुलसीदास जी लिखते हैं-

मुनि अनुसासन गनपतिहि पूजेउ संभु भवानि।

कोउ सुनि संसय करै जनि सुर अनादि जियँ जानि॥

भगवान् शंकर व देवी पार्वती ने गणेश जी का पूजन किया। क्या कहा? गणेश जी का पूजन किन्तु यह कैसे संभव है? क्योंकि गणेश जी तो भगवान् शंकर के सुपुत्र हैं जो कि उनके विवाह के पश्चात् जन्म लेते हैं। और हम सुन रहें हैं कि देवी पार्वती और शंकर जी ने गणेश जी का पूजन किया। तो ये वाले कौन से गणेश जी थे भईया? क्या यह कोई अन्य गणेश जी थे

सुदर्शन या करुण, भारत का नया नंबर-3 कौन, नीतीश-शार्दुल और कुलदीप में किसे मिलेगा मौका?

लीड्स एजेंसी। स्पिन विभाग में कुलदीप और जडेजा में से किसी एक को खिलाने को लेकर टीम प्रबंधन का फैसला काफी दिलचस्प होगा। कुलदीप यहां की परिस्थितियों में सफल हो सकते हैं, लेकिन जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। लीड्स में मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे होगी। वहीं, टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर तीन बजे होगा। इस टेस्ट के साथ भारत और इंग्लैंड की टीमें अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत करेंगी। भारतीय टीम की कमान जहां युवा शुभमन गिल संभालेंगे, वहीं इंग्लैंड की कप्तानी दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स करेंगे। इंग्लिश टीम ने बुधवार को ही प्लेइंग-11 की घोषणा कर दी थी। वहीं, टीम इंडिया टॉस से ठीक पहले इसका एलान करेगी। हालांकि, भारतीय प्लेइंग-11 को लेकर जद्दोजहद अभी तक जारी है। भारतीय प्लेइंग-11 के आठ खिलाड़ी लगभग तय हैं, जबकि तीन स्थानों को लेकर टीम मैनेजमेंट और मुख्य कोच गौतम गंभीर को माथापच्ची करनी पड़ रही है। इन स्थानों के लिए साई सुदर्शन, करुण नायर, नीतीश

रेड्डी, शार्दुल ठाकुर और कुलदीप यादव के बीच जंग है। आइए जानते हैं कि भारत की प्लेइंग-11 क्या हो सकती है...

गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इंडिया इस सीरीज में उतरेगी। विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद उनके रिक्त स्थानों को भरने के लिए कौन सा खिलाड़ी अच्छ प्रदर्शन करेगा यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन उनकी जगह पर आजमाया किसे जाए, यह सबसे बड़ा सवाल है। रोहित की जगह केएल राहुल के बतौर सलामी बल्लेबाज आने की पूरी संभावना है। राहुल का इंग्लैंड में रिकॉर्ड भी शानदार रहा है और युवा यशस्वी जायसवाल के साथ उनका अनुभव काम आ सकता है। यशस्वी का यह पहला इंग्लैंड दौरा है, जबकि राहुल वहां नौ मैचों की 18 पारियों में 34.11 की औसत से 614 रन बना चुके हैं। इनमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वहीं, उप-कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में नंबर-चार और पांच तय होने की बात कही थी। विराट कोहली द्वारा रिक्त किए गए चौथे नंबर पर कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे, जबकि पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना जारी रखेंगे। मध्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी इन्हीं दोनों के मजबूत कंधों पर होगी।

वहीं, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का बतौर स्पिनर खेलना तय है। वहीं, तेज गेंदबाजी का दारोमदार अनुभवी जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज के कंधों पर होगा। इन दोनों का खेलना लगभग तय है। तीसरे पेसर के तौर पर प्रसिद्ध कृष्णा का खेलना लगभग तय माना जा रहा है। लीड्स की पिच पर उनकी हिट द डेक गेंद घातक साबित हो सकती हैं। हालांकि, प्लेइंग-11 में उनकी टक्कर अर्शदीप सिंह से हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि टीम मैनेजमेंट एक बाएं हाथ का तेज गेंदबाज चाहता है या नहीं। अर्शदीप ने काउंटी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है जो उनके दावे को मजबूत करता है। हालांकि, उनके पास टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है और इस वजह से प्रसिद्ध को मौका मिल सकता है। आकाश दीप एक अन्य विकल्प हैं, लेकिन उन पर प्रसिद्ध को तरजीह मिलना तय है। इनके अलावा टीम में नंबर-तीन, नंबर-छह और एक गेंदबाज की जगह खाली है। इसी को लेकर असली जंग है। उप-कप्तान पंत ने बताया था कि नंबर तीन को लेकर अभी तक चर्चा चल रही है। इसका मतलब है कि टीम मैनेजमेंट इस पर विचार कर रहा है कि एक ऑलराउंडर को मौका दिया जाए या एक अतिरिक्त बल्लेबाज को खिलाया जाए। नंबर तीन पर साई सुदर्शन के डेब्यू की काफी बातें चल रही हैं। हालांकि, करुण नायर ने हाल ही में इंडिया-ए से खेलते हुए नंबर तीन पर बल्लेबाजी की थी और दोहरा शतक जड़ा था। करुण फिलहाल जीवन के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में चल रहे हैं और एक इनफॉर्म बल्लेबाज को प्लेइंग-11 से दूर रखना टीम मैनेजमेंट के लिए आसान नहीं होगा।

19 साल की दिव्या देशमुख ने वर्ल्ड नंबर-1 को हराया

नई दिल्ली एजेंसी। 19 साल की दिव्या देशमुख ने दिव्या देशमुख ने सोमवार को वर्ल्ड टीम रैपिड और ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर-1 चेस प्लेयर हौ यिफान को हराया। जूनियर कैटेगरी की वर्ल्ड नंबर-1 दिव्या ने चीन की यिफान को हराते हुए वर्ल्ड टीम रैपिड और ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप में 3 मेडल जीते। इनमें रैपिडचेस का सिल्वर और ब्लिट्ज का ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। दिव्या की इस अचीवमेंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। क्क्रमोदी

ने सोशल प्लेटफार्म ङ्ग पर लिखा- लंदन में वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के दूसरे चरण के ब्लिट्ज सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी होउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई। उनकी सफलता उनके धैर्य और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। यह कई उभरते शतरंज खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। लंदन में समाप्त हुए स्न्ढ्ढष्ठश्व वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चेस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में नागपुर की दिव्या का सामना यिफान से हुआ। यह मुकाबला शतरंज के सबसे तेज प्रारूप में था, जो हाल ही में वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश के बीच खेले गए क्लासिकल गेम की तरह रोमांचक था।यिफान ने ङ्क्र चेस टीम का प्रतिनिधित्व किया, जबकि दिव्या हेक्सामाइंड चेस क्लब के लिए खेलीं।

टीम इंडिया की जीत के लिए बुमराह का चलना जरूरी, उनके खिलाफ हमेशा खामोश रहा है जो रूट का बल्ला

लंदन एजेंसी। रूट के लिए बुमराह की गेंदों को खेलना आसान नहीं होगा। बुमराह ने टेस्ट में रूट को 24 पारियों में नौ बार आउट किया है। रूट टेस्ट में बुमराह के सबसे पसंदीदा शिकार रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट लीड्स में शुक्रवार से शुरू होगा। शुभमन गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इंडिया इस दौरे पर गई है। इसी के साथ टीम इंडिया के एक नए युग की शुरुआत हो जाएगी। इस सीरीज में काफी कुछ भारत के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर निर्भर होगा। वहीं, इंग्लैंड की टीम भी काफी हद तक अपने सबसे अनुभवी बल्लेबाज जो रूट पर निर्भर होगी। ऐसे में जब ये दोनों आमने-सामने आएंगे तो दिलचस्प टक्कर देखने को मिलेगी। पिछली कुछ सीरीज में बुमराह रूट पर भारी साबित हुए हैं। ऐसे में अगर बुमराह इस सीरीज में चलते

हैं और रूट का विकेट आसानी से निकालने में कामयाब होते हैं तो टीम इंडिया के लिए मौका बन सकता है।बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली सीरीज में वन मैन आर्मी रहे थे। उन्होंने इस दौरे पर 32 विकेट निकाले थे। भारत ने जो एकमात्र टेस्ट जीता था, उसमें बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी की थी। वहीं, भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टेस्ट भी जीत जाती अगर बुमराह चोटिल होकर मैदान से बाहर नहीं गए होते। अब वह इंग्लैंड की परिस्थितियों में भी उस कमाल को दोहरा सकते हैं। इंग्लैंड की पिच भी तेज गेंदबाजों को मदद करती है। रूट के लिए उन्हें खेलना आसान नहीं होगा। बुमराह ने टेस्ट में रूट को 24 पारियों में नौ बार आउट किया है। रूट टेस्ट में बुमराह के सबसे पसंदीदा शिकार रहे हैं। इसके बाद पैट कमिंस (8 बार) और ट्रेविस हेड (6 बार) का नंबर आता है। बुमराह ने रूट को एक बार बोल्ड, चार बार कैच आउट, एक बार विकेट के पीछे कैच कराया है। तीन बार बुमराह ने रूट को एल्बीडब्ल्यू आउट किया है।वहीं, रूट बुमराह के खिलाफ 31.77 की औसत से 286 रन ही बना सके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 51.16 का रहा है। बुमराह के खिलाफ रूट ने कुल मिलाकर 559 गेंदों का सामना किया है और 411 डॉट गेंदें खेली हैं। रूट ने भारतीय तेज गेंदबाज के खिलाफ 36 चौके लगाए हैं।

ऐसे में दोनों के बीच इस सीरीज में दिलचस्प टक्कर देखने को मिलेगी। दोनों ही खिलाड़ी मिशन पर हैं।

भारत के दो पूर्व कोच, दोनों की कप्तान गिल को लेकर अलग राय! जानें कर्स्टन और शास्त्री ने क्या कहा

लंदन एजेंसी। गिल की कप्तानी वाली आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मेंटर रहे कर्स्टन का मानना है कि 25 वर्षीय गिल में अच्छे नेतृत्वकर्ता बनने के सभी गुण मौजूद हैं। वहीं, रवि शास्त्री ने द आईसीसी रिव्यू पर 25 वर्षीय गिल का मार्गदर्शन करते हुए कहा, मुझे लगता है कि गिल को समय लेना चाहिए। यह आसान नहीं होने वाला है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत से एक दिन पहले कप्तान शुभमन गिल को लेकर भारत के दो पूर्व कोच का बयान सामने आया है। दोनों ने ही गिल को लेकर अलग-अलग राय रखी है। टीम इंडिया को विश्व चैंपियन बना चुके पूर्व कोच गैरी कर्स्टन ने गिल का समर्थन करते हुए कहा है कि बतौर कप्तान यह खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धूम मचाने के लिए तैयार है। वहीं, पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि गिल के सामने इंग्लैंड की कठिन परिस्थितियों में टीम की

अगुआई करने की कड़ी चुनौती है और इस चुनौतीपूर्ण दौरे पर सफल होने के लिए उन्हें काफी धैर्य दिखाना होगा। गिल की कप्तानी वाली आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मेंटर रहे कर्स्टन का मानना है कि 25 वर्षीय गिल में अच्छे नेतृत्वकर्ता बनने के सभी गुण मौजूद हैं। कर्स्टन ने जियो हॉटस्टार से कहा, मुझे लगता है कि शुभमन एक बेहतरीन कप्तान साबित होंगे। वह एक स्मार्ट क्रिकेटर हैं। उनके पास खेल के लिए अच्छा दिमाग है और वह अपने खेल को समझते हैं। वह बहुत प्रतिभाशाली हैं और एक अच्छे इंसान हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत महत्वपूर्ण है। कर्स्टन ने कहा, शुभमन के बारे में मुझे जो एक बात सबसे ज़्यादा पसंद है, वह यह है कि वह जो कहते हैं, वही करते हैं। वह बहुत मेहनती हैं और यह बात दूसरे खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन उदाहरण है। मुझे लगता है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने कहा, गिल को अभी टेस्ट क्रिकेट में अपनी जगह मजबूत करनी होगी। विरासत तैयार करने और किंवदंती बनने में समय लगता है। विराट कोहली से उनकी तुलना करना सही नहीं है। हमने उन्हें कप्तान के रूप में देखा है और उनमें अच्छा कप्तान बनने की क्षमता है। वहीं, रवि शास्त्री ने द आईसीसी रिव्यू पर 25 वर्षीय गिल का मार्गदर्शन करते हुए कहा, मुझे लगता है कि गिल को समय लेना चाहिए। यह आसान नहीं होने वाला है। गिल को एक कठिन काम करने के लिए कहा गया है और यह है इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी करना। गिल के टेस्ट करियर के अभी शुरुआती दिन हैं, इस युवा खिलाड़ी ने दिसंबर 2020 में डेब्यू के बाद से 32 मैचों में 35.05 की औसत से 1893 रन बनाए हैं। बल्लेबाजी के अलावा, इंग्लैंड में गिल के नेतृत्व कौशल की भी परीक्षा होगी, जहां भारत ने पिछली बार 2007 में टेस्ट सीरीज जीती थी। शास्त्री का मानना है कि इंग्लैंड का दौरा गिल के लिए सीखने का मौका हो सकता है।

सत्र के पहले खिताब पर होंगी नीरज की नजरें

पेरिस डायमंड लीग में मिलेगी वेबर-एंडरसन से चुनौती

नई दिल्ली एजेंसी। वेबर ने 16 मई को दोहा डायमंड लीग में चोपड़ा को हराया था जिसमें चोपड़ा ने 90 मीटर से ऊपर का थ्रो फेंका था। वेबर ने आखिरी थ्रो 91.06 मीटर का फेंककर पहला स्थान हासिल किया। चोपड़ा 90.23 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। 31 वर्षीय वेबर ने 23 मई को पोलैंड में जानुज कुसोसिंकी मेमोरियल स्पर्धा में भी चोपड़ा को हराया था। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा की नजरें सत्र के पहले बड़े खिताब पर होंगी जब उनका सामना शुक्रवार को पेरिस डायमंड लीग में जूलियन वेबर से होगा। 90 मीटर की बाधा पार कर चुके नीरज की

टक्कर डायमंड लीग के दूसरे चरण में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से भी होगी। भाला फेंक स्पर्धा में कुल आठ दावेदार होंगे जिनमें पांच 90 मीटर का आंकड़ा छू चुके हैं। वेबर ने 16 मई को दोहा डायमंड लीग में चोपड़ा को हराया था जिसमें चोपड़ा ने 90 मीटर से ऊपर का थ्रो फेंका था। वेबर ने आखिरी थ्रो 91.06 मीटर का फेंककर पहला स्थान हासिल किया। चोपड़ा 90.23 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। 31 वर्षीय वेबर ने 23 मई को पोलैंड में जानुज कुसोसिंकी मेमोरियल स्पर्धा में भी चोपड़ा को हराया था। वेबर ने 86.12 मीटर और चोपड़ा ने 84.14 मीटर का थ्रो फेंका था। पीटर्स दोनों में तीसरे स्थान पर रहे थे। पेरिस में चोपड़ा की नजरें वेबर से पिछली दोनों हार का बदला चुकता करने की होगी। वह डायमंड लीग के पेरिस चरण में आठ साल बाद खेलेंगे। उन्होंने पिछले साल ओलंपिक पर फोकस करने के लिये पेरिस डायमंड लीग में भाग नहीं लिया। पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने रजत पदक जीता था। आखिरी बार उन्होंने 2017 में पेरिस डायमंड लीग में जूनियर विश्व चैम्पियन के तौर पर खेलकर पांचवां स्थान हासिल किया था। चोपड़ा और वेबर के अलावा पीटर्स भी 2022 में 90 मीटर की बाधा पार कर चुके हैं। कीनिया के 2015 विश्व चैम्पियन जूलियस येगो और त्रिनिदाद और टोबैगो के 2012 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता केशोर्न वालकॉट भी 90 मीटर क्लब में शामिल हैं जिन्होंने 2015 में यह कारनामा किया था। इनके अलावा पेरिस डायमंड लीग में ब्राजील के लुईज मौरिशियो डा सिल्वा , मोलडोवा के एड्रियन मारडारे और फ्रांस के रेमी रूजेटे भी भाग लेंगे।

बीमार होने के कारण नहीं खेल पाए एमबाप्पे, अल हिलाल ने रियाल मैड्रिड को बराबरी पर रोका

मियामी गार्डन्स (अमेरिका)एजेंसी। रियाल मैड्रिड के कोच जाबी अलोंसो ने हार्ड रॉक स्टेडियम में अल हिलाल के खिलाफ मैच से पहले कहा, एमबाप्पे को बुखार है। वह अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह अगले मैच में वापसी करेंगे। स्टार फारवर्ड किलियन एमबाप्पे बीमार होने के कारण नहीं खेल पाए जिससे रियाल मैड्रिड क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपेक्षित शुरुआत नहीं कर पाया और उसे सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल के खिलाफ अपना पहला मैच 1ङ्क1 से ड्रॉ खेलना पड़ा। रियाल मैड्रिड के कोच जाबी अलोंसो ने हार्ड रॉक स्टेडियम में

अल हिलाल के खिलाफ मैच से पहले कहा, %एमबाप्पे को बुखार है। वह अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह अगले मैच में वापसी करेंगे।% रियाल मैड्रिड के पास मैच के आखिरी समय में जीत हासिल करने का सुनहरा मौका था जब उसे वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए इंजरी टाइम में पेनल्टी किक मिली थी लेकिन फेडरिको वाल्वरडे उसे गोल में नहीं बदल पाए। इस तरह से 15 बार के यूरोपीय चैंपियन के कोच के रूप में अपने पहले मैच में अलोंसो जीत से शुरुआत नहीं कर पाए। इससे पहले गोंजालो गार्सिया ने 34वें मिनट में रियाल मैड्रिड के लिए गोल किया। इसके सात मिनट बाद रूबेन नेवेस ने पेनल्टी किक पर अल हिलाल के लिए बराबरी का गोल किया। प्रतियोगिता के वाशिंगटन में खेले गए एक अन्य मैच में रैंडल कोलो मुआनी और फ्रांसिस्को कोन्सीसाओ के दो-दो गोल की मदद से युवेंटस ने अल ऐन को 5-0 से हराया। इटली के क्लब युवेंटस के लिए कोलो मुआनी ने 11वें मिनट में पहला गोल किया।

रोहित-विराट के बिना ड्रेसिंग रूम सूना होगा

साथियों की गैरमौजूदगी पर छलका केएल राहुल का दर्द

नई दिल्ली एजेंसी। केएल राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ बातचीत में कहा- विराट और रोहित पिछले एक दशक से भारतीय क्रिकेट के स्तंभ रहे हैं और उनका न होना बहुत बड़ी कमी होगी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना ड्रेसिंग रूम साझा करना मुश्किल होगा। उनके बिना ड्रेसिंग रूम का माहौल सूना होगा। बता दें कि, विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। उनसे पहले रोहित शर्मा ने भी लाल गेंद के प्रारूप को अलविदा कह दिया था। इससे भारत को दोहरा झटका लगा था और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम का एलान किया। केएल राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ बातचीत में कहा- %विराट और रोहित पिछले एक दशक से भारतीय क्रिकेट के स्तंभ रहे हैं और उनका न होना बहुत बड़ी कमी होगी। अपने अब तक के पूरे करियर में, मैं कभी भी ऐसी टीम के माहौल में नहीं गया, जहां न तो विराट और न ही रोहित मौजूद हों। केएल राहुल ने आगे कहा- मैंने अब तक जितने भी टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से विराट या रोहित या दोनों ही

हमेशा टीम का हिस्सा रहे हैं। उनके बिना ड्रेसिंग रूम में जाना थोड़ा अजीब जरूर लगेगा। लेकिन निश्चित रूप से उनके फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने देश को अपना सबकुछ दिया है और वे हमेशा भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बने रहेंगे। लेकिन अब समय आ गया है कि हम सभी आगे आएं। भारतीय टीम इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र की शुरुआत करेगी। गंभीर और गिल के लिए इंग्लैंड दौरा कठिन रहना वाला है। पिछले कुछ समय से भारत का टेस्ट प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपनी पिछली टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। किसी भी सीरीज से पहले इंट्रा स्क्वाड या अभ्यास मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। भारतीय टीम ने इंट्रा स्क्वाड मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना था जिससे विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। भारत ने आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज जीती थी। उस वक्त तीन मैचों की सीरीज में भारत 1-0 से जीत दर्ज करने में सफल रहा था। 2007 के बाद से भारतीय टीम चार बार इंग्लैंड दौरे पर गई, लेकिन जीत का स्वाद नहीं चख सकी। 2011 में वनडे विश्व कप जीतने के बाद भारत ने इंग्लैंड का दौरा किया। उस वक्त टीम महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में खेलने गई, लेकिन चार मैचों की टेस्ट सीरीज में एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी और मेजबान टीम ने भारत को 4-0 के अंतर से हराया।

सूखे मौसम से बैटर्स को मदद की उम्मीद

भारत का बहुप्रतीक्षित इंग्लैंड टेस्ट दौरा अब बिल्कुल करीब है। पांच टेस्ट की इस सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार से खेला जाएगा। इस बार लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर टेस्ट सीरीज की शुरुआत हो रही है, जो आमतौर पर इंग्लैंड दौरे का तीसरा टेस्ट होता है। इस बार यहां का मौसम भी कुछ अलग है। फरवरी से यहां बारिश नहीं हुई है और मैदान एकदम सूखा पड़ा है। इससे पिच की तैयारी भी अलग तरीके से की गई है। पिच 3 दिन पहले तक देखने में हरी जरूर लग रही थी, लेकिन टेस्ट से पहले इसे अच्छे से काटा और रोल किया जाएगा। पिच क्यूरेटर रिचर्ड रॉबिन्सन कहते हैं, 'हम चाहते हैं कि पिच अच्छी और संतुलित हो, ताकि बल्लेबाज शॉट खेल सकें। रॉबिन्सन की इस मैदान से जुड़ी कई यादें हैं। बचपन में यहीं पर उन्होंने 1981 की प्रसिद्ध एशेज सीरीज देखी थी, जिसमें लीड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड फॉलोऑन खेलकर 18 रन से जीत गया था। अब रॉबिन्सन इस ऐतिहासिक मैदान पर एक और टेस्ट की जमीन तैयार कर रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, टेस्ट के दौरान तापमान 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि, इतनी गर्मी के बावजूद पिच के टूटने की संभावना कम है।

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा
ग्वालियर,भोपाल से एक साथ प्रकाशित

ब्रीफ न्यूज

22 व्यक्तिगत आईडी से बना रहा था टिकट

भोपाल। रेलवे सुरक्षा बल ने टिकट कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए ई-टिकटों के अवैध कारोबार का खुलासा किया है। भोपाल मंडल में की गई इस कार्यवाही में 1 लाख 62 हजार रुपए के 75 ई-टिकट जब्त किए गए हैं। 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिससे वह टिकट तैयार करता था। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह कार्यवाही मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में की गई है। जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी शाहबाज खान, निवासी नेहरू नगर सिकंदरी सराय भोपाल ने 22 अलग-अलग व्यक्तिगत यूजर आईडी के जरिए ये टिकट बुक किए थे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि साइबर सेल भोपाल से मिले इनपुट के आधार पर आरपीएफ उपनिरीक्षक प्रकाश रघुवंशी और उनकी टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। जब्त टिकटों की कीमत 1,62,501 आंकी गई है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व बना विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद

भोपाल। प्रदेश के टाइगर रिजर्व में देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ रही है। 5 वर्षों में टाइगर रिजर्व की लगभग 61 करोड़ 22 लाख की आय प्राप्त हुई। उमरिया जिले का बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पर्यटकों की पहली पसंद बना है। इस टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या में हर साल वृद्धि हो रही है। वर्ष 2020-21 में यहां भारतीय पर्यटकों की संख्या एक लाख 20 हजार 800 थी। वर्ष 2021-22 में एक लाख 69 हजार 738, वर्ष 2022-23 में एक लाख 64 हजार 559, वर्ष 2023-24 में एक लाख 23 हजार 32 और वर्ष 2024-25 में माह मई तक एक लाख 60 हजार 500 रही। साथ ही विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। बांधवगढ़ में 5 वर्ष में भारतीय पर्यटकों की संख्या 7 लाख 38 हजार 637 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 85 हजार 742 रही।

महाराष्ट्र की किशोरी ने जबलपुर में तोड़ा दम

जबलपुर। महाराष्ट्र के पुणे में रहने वाले युवक ने पहले तो वहीं की रहने वाली नाबालिग किशोरी को अपने प्रेमजाल में फंसाया और फिर शादी का झांसा देकर उसे ट्रेन से उत्तर प्रदेश चलने को कहा। किशोरी युवक की बातों में आ गई। दोनों ट्रेन में बैठकर नागपुर पहुंचे। जहां युवक ने किशोरी को स्लीपर कोच में बैठाया, दवाई दी और फिर उसे छोड़कर भाग गया। 13 जून को किशोरी गंभीर हालत में आरपीएफ को नागपुर-शहडोल ट्रेन में सफर करते हुए मिली। आरपीएफ ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। यहां किशोरी की नाजुक हालत देख उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मंगलवार रात किशोरी ने दम तोड़ दिया। पूछताछ में किशोरी ने बताया था कि वह महाराष्ट्र (पुणे) की रहने वाली है। पड़ोस में ही रहने वाले करण सिंह के साथ 26 मई को घर से निकली थी। बुधवार सुबह किशोरी की मौसी जबलपुर पहुंची, जहां पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बीते दो दिन से जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज में भर्ती किशोरी ने आरपीएफ को पूछताछ में बताया कि वह पुणे शहर की रहने वाली है। घर में माता-पिता और भाई है।

इंदौर से गाजियाबाद के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होगी

इंदौर। इंदौर से गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट के लिए 20 जुलाई से सीधी फ्लाइट शुरू होने जा रही है। इसका संचालन इंडिगो एयरलाइंस करेंगी। कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है और उड़ान के संचालन की पूरी तैयारी कर ली गई है। ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादोन ने बताया कि यह इंदौर से गाजियाबाद के लिए पहली सीधी उड़ान होगी। इसके शुरू होने से इंदौर का उत्तर प्रदेश के दो शहरों से हवाई संपर्क स्थापित हो जाएगा। हेमेंद्र सिंह जादोन ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। इस पर लोड कम करने के लिए नोएडा में जेवर एयरपोर्ट विकसित किया जा रहा है और साथ ही हिंडन एयरपोर्ट से भी नई उड़ानों का संचालन शुरू किया जा रहा है।

सीमा की रक्षा करने वाले जवानों और अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है प्रदेश सरकारः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री की घोषणा - लाड़ली बहनों को दीवाली से मिलेगी 1500 रुपए की राशि

मुख्यमंत्री ने 266 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

भोपाल, ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार देश की सीमा पर जान की बाजी लगाने वाले और सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों तथा खेतों में कड़ी मेहनत कर अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार कमजोर और गरीब वर्ग की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खरगोन जिले के बेड़िया में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत अम्बा-रोडिया माइक्रो उदवहन सिंचाई योजना का लोकार्पण सहित 266 करोड़ रुपए की लागत के 24 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। उन्होंने सिकलसेल के मरीजों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति के प्रमाण-पत्र तथा हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा है और विश्व में देश का नाम हो रहा है। हमारी सरकार किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं की जिंदगी बदलने और उन्हें खुशहाल बनाने का काम कर रही है। निमाड़ क्षेत्र में मां नर्मदा का पानी खेतों तक पहुंचाया जा रहा है और इससे खेतों में फसले लहलहा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसानों को सम्मान निधि देने की योजना बनाई है और किसानों को इसका लाभ भी मिल रहा है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां गेहूं पर किसानों को प्रति क्विंटल 2600 रुपए दिए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार कृषि को प्रोत्साहन दे रही है और किसानों को उद्यमी बनने के लिए काम कर रही है। प्रदेश सरकार कपास से धागा बनाने, उससे कपड़ा बनाने और रेडीमेड गारमेंट की फैक्ट्री लगाने का अभियान चला रही है। प्रदेश सरकार सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी काम कर रही है और किसानों को अनुदान पर सोलर पैनल कनेक्शन दिया जाएगा इससे किसानों की आय बढ़ेगी और वह अपने संयंत्र में पैदा होने वाली अतिरिक्त बिजली प्रदेश सरकार को बेच भी सकेंगे। प्रदेश सरकार ने मूंग और उड़द के समर्थन मूल्य पर खरीदी के इंतजाम किए हैं। दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। देश में दूध उत्पादन में मध्य प्रदेश की भागीदारी अभी 09 प्रतिशत है इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों को गाय भैंस पालन के लिए 25 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। राज्य सरकार के समग्र प्रयासों से अब प्रति व्यक्ति आय 11 हजार रूपये से बढ़कर एक लाख 52 हजार रूपये हो गई है।

दीवाली से लाड़ली बहनों को हर माह मिलेंगे 1500 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि देगी और अक्टूबर में दीवाली से लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की राशि नियमित दी जाएगी। इस राशि को बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया जाएगा। गरीबों और जरूरतमंद की जान बचाने के लिए प्रदेश सरकार ने एयर एम्बुलेंस की सुविधा प्रदान की है।

मेडिकल स्टूडेंट रेप केस- 10 पुलिस टीम अस्पताल पहुंची

देवास में अमलतास हॉस्पिटल का आरोपी डॉक्टर गिरफ्तार; स्टूडेंट्स की नारेबाजी-चक्काजाम

नगर संवाददाता

देवास। देवास के निजी मेडिकल कॉलेज में एक ही दिन में रेप और रेप की कोशिश के दो मामले सामने आए। इससे भड़के स्टूडेंट्स ने कॉलेज में जमकर हंगामा किया। देवास-उज्जैन रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस, प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन की समझाइश-आश्वासन के बाद मामला शांत हो सका। मामला देवास के अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस का है। मंगलवार दोपहर को इस मेडिकल कॉलेज के डॉ. रूपम जैन ने हॉस्टल में 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म किया। पीड़िता करीब डेढ़ महीने पहले माता-पिता के साथ डॉ. जैन से मिली थी। इसके बाद डॉक्टर ने मंगलवार को उसे चेकअप और काउंसलिंग के बहाने बुलाया था। दूसरी वारदात मंगलवार रात की है। इसमें एक अज्ञात बदमाश मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में घुस आया। फिर एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा के कमरे में दाखिल हो गया। छात्रा के गले पर चाकू अड़ाकर दुष्कर्म की कोशिश की। दोनों ही केस की जांच के लिए पुलिस की 10 टीमें बनाई गई हैं। गुरुवार दोपहर को 40 पुलिसकर्मी अस्पताल पहुंचे और सबूत जुटाए। पड़ताल में सामने आया कि हॉस्टल

में जिस जगह पीछे के स्थान पर घटनाक्रम हुआ था, वहां पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे। 17 साल की पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले एक आयोजन में डॉ. रूपम जैन से मुलाकात हुई थी। डॉ. रूपम ने बताया था कि वह अमलतास हॉस्पिटल देवास में काम करते हैं। उनसे मेरी हेल्थ चेकअप और काउंसलिंग के संबंध में बात हुई थी। इसके बाद जैन से इलाज को लेकर फोन पर बात होती रहती थी। 17 जून को डॉक्टर ने कॉल कर अमलतास हॉस्पिटल बुलाया था। सुबह करीब 11.30 बजे हॉस्पिटल पहुंची। डॉक्टर केबिन में थे। मैं गई तो उन्होंने मुझे चॉकलेट दी। चेकअप के बहाने गलत काम किया। घर आकर मैंने परिवार को पूरी बात बताई। फिर हम थाने गए। मंगलवार रात को डॉ. जैन को गिरफ्तार कर लिया गया। डॉ. रूपम जैन ने दो साल पहले भी आरडी गार्डी अस्पताल में ऐसी हरकत की थी। तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया था। दूसरे मामले में मंगलवार रात एक बदमाश एमबीबीएस छात्रा के कमरे में डक्ट के रास्ते घुसा। वह सो रही छात्रा के ऊपर बैठ गया और गले पर चाकू अड़ा दिया। छात्रा के मुताबिक, बदमाश 10 मिनट तक गलत हरकत करने की कोशिश करता? रहा। युवती ने सूझबूझ दिखाते हुए आरोपी से ?पीने का पानी मांगा। जैसे ही? बदमाश उससे अलग हुआ, छात्रा भागी और बाहर से? दरवाजा लगा दिया। उसने शोर मचाया तो हॉस्टल में मौजूद अन्य लोग उठकर आए, लेकिन तब तक बदमाश? खिड़की से बाहर भाग गया था।

दुकानदार ने कहा-गेहूं खत्म, स्टॉक में 56 क्विंटल रखा मिला

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल में गुरुवार को एक राशन दुकान में दबिश देने पहुंची खाद्य विभाग की टीम को अजीब स्थिति नजर आई। दुकानदार ने बताया कि गेहूं उपलब्ध नहीं है। इसलिए वितरण नहीं किया जा रहा, जबकि जब स्टॉक जांचा तो 112 कट्?टी में 56 क्विंटल गेहूं रखा मिला। वार्ड-44 स्थित ओल्ड सुभाष नगर की राजेंद्र प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार की शासकीय उचित मूल्य दुकान में यह मामला सामने आया। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया, जांच दौरान विक्रेता ने जानकारी दी कि दुकान में गेहूं उपलब्ध नहीं होने के कारण वितरण नहीं किया जा रहा है, लेकिन जांच के दौरान मशीन में गेहूं 5632 किलो प्रदर्शित पाया गया। वहीं, दुकान में 112 कट्टी बोरी में 56 क्विंटल भंडारित पाया गया। जिस समय टीम जांच के लिए राशन दुकान पर पहुंची, तब कई ग्राहक गेहूं लेने पहुंचे थे। खाद्य विभाग की टीम ने उन सभी से भी बात की और बयान दर्ज किए।

वार्ड कार्यालयों में लगेंगे आयुष्मान कार्ड बनाने के विशेष शिविर

प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को लगेंगे शिविर

नगर संवाददाता

भोपाल आयुष्मान कार्ड बनने से शेष रह गए पात्र हितग्राहियों के शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के उद्देश्य से आपके द्वारा निरामयम 2.0 अभियान 15 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत आयुष्मान योजना अंतर्गत प्रमुख पात्रता श्रेणी जैसे 70 साल या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों,भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत आयुष्मान कार्ड के शेष पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं । भोपाल जिले में आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर निगम के सहयोग से वार्ड कार्यालयों में शिविर लगाए जा रहे हैं। जून माह की 23, 26 एवं 30 तारीख को शहर के सभी वार्ड कार्यालयों में एक साथ शिविर लगाकर कार्ड बनाए जाएंगे। अभियान के तहत 14 जुलाई तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को शिविर आयोजित होंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा ने बताया कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखकर घर के नजदीक ही वार्ड कार्यालयों में आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं । शिविर आयोजन में नगर निगम द्वारा विशेष रूप से सहयोग दिया जा रहा है।

भोपाल में एक्सीडेंट में छात्रा की मौत

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल के आईटी पार्क के पास न्यू जेल रोड पर अज्ञात वाहन ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवती की मौत हो गई। जबकि दो पहिया वाहन चला रहा उसका साथी घायल है। गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रोशेल पिता सोलोमन (23) निवासी मिनाल रेसीडेंसी मूल रूप से छिंदवाड़ा की रहने वाली थी। रायसेन रोड के एक प्राइवेट कॉलेज से बी.टैक ग्रेजुएशन करने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात परवलिया सड़क स्थित एक ढाबे पर कॉफी पीने के लिए नकली थी। गुरुवार तड़के 3.30 बजे दोस्त के साथ लौट रही थी। तभी आईटी पार्क के पास अज्ञात वाहन ने रोशेल के वाहन को टक्कर मार दी। इससे इलाज के दौरान सुबह उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

भारत को सिकल सेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदार एकजुट होकर करें कार्यः राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

विश्व सिकल सेल दिवस 2025 पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का संदेश

नगर संवाददाता

भोपाल राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 'विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस' पर मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास की सराहना की है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने संदेश में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकल सेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने 19 जून 2025 को मध्यप्रदेश के जिला बड़वानी में 'विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस' आयोजित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार की सराहना की है। उन्होंने संदेश में कहा कि दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली सिकल सेल एनीमिया, भारत में जनजातीय आबादी को विशेष रूप से प्रभावित करती है। इसके विरुद्ध दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने की दिशा में इस दिवस का मनाया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है।राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि दशकों से हमारे आदिवासी समुदाय और पिछड़े क्षेत्रों में कई लोग सिकल सेल एनीमिया का कष्ट झेलते रहे हैं।

बीमारी के एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रसार को रोकने के लिए समुदाय स्तर पर स्क्रीनिंग जांच द्वारा पहचान कर जेनेटिक काउंसलिंग एवं प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने का राष्ट्रीय संकल्प इस समस्या को जड़ से समाप्त करने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया मुक्ति मिशन के अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित लोगों के लिए एकीकृत उपचार केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां पर रोगियों को आवश्यक औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत हो रहे प्रयासों से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई जनजातीय समुदायों में बीमारी की पहचान समय पर हो रही है जिससे इलाज और जीवन की गुणवत्ता में सुधार भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब सभी हितधारक मिलकर एक सतत, समर्पित और मानवीय दृष्टिकोण से कार्य करेंगे, तभी इस समस्या का जड़ से उन्मूलन संभव हो पाएगा।राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विकसित भारत के हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकल सेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों को एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम सब निरंतर एकजुट होकर कार्य करें।

जीएडी ने जारी किए पदोन्नति के नए नियम

हर विभाग की प्रमोशन कमेटी में एससी-एसटी वर्ग का अफसर शामिल करना अनिवार्य

नगर संवाददाता

भोपाल। मोहन यादव कैबिनेट द्वारा लोकसेवा पदोन्नति नियम 2025 को मंजूरी देने के 48 घंटे बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने पदोन्नति संबंधी नियम जारी कर दिए हैं। गजट नोटिफिकेशन भी कर दिया गया है। सरकार ने कहा है कि 9 साल से पदोन्नति बंद होने से बड़ी संख्या में कर्मचारी-अधिकारी बगैर पदोन्नत हुए रिटायर हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार की कार्यक्षमता पर विपरीत असर पड़ रहा है और कर्मचारियों का मनोबल भी घट रहा है। इसलिए सरकार ने पदोन्नति के नए नियम बनाए हैं। पदोन्नति नियम बनाए जाने के दौरान आरक्षित वर्ग को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने और प्रशासनिक दक्षता तथा योग्यता को महत्व दिया गया है। नियमों में कहा गया है कि

सीधी भर्ती के पदों में एससी और एसटी वर्ग को 16 प्रतिशत और 20 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान है। इसलिए सरकार पदोन्नति में भी इन्हें इसी आधार पर आगे बढ़ने के लिए मौका देने को प्रतिबद्ध है। गजट नोटिफिकेशन के साथ ही सरकार के ये नियम प्रभावी हो गए हैं।

राज्य शासन द्वारा पदोन्नति से भरे जाने वाले हर संवर्ग के पदों को अलग से तय किया जाएगा। इसके लिए समिति द्वारा निर्णय लिया जाएगा। समिति के अध्यक्ष विभाग के सचिव और विभागाध्यक्ष सचिव होंगे। समिति में उपसचिव या उससे अधिक ऊंचे पद का जीएडी का एक अफसर भी शामिल होगा। इसके साथ ही इन तीनों सदस्यों में से कोई एक सदस्य एससी वर्ग का नहीं होने पर एससी वर्ग का एक सेंकेंड क्लास अधिकारी भी समिति में शामिल किया जाएगा। पहले तीन सदस्यों में से कोई सदस्य एसटी वर्ग का न होने पर सेकेंड क्लास कैटेगरी का एसटी वर्ग का एक अधिकारी भी कमेटी में शामिल होगा। अगर विभागीय समिति द्वारा किसी मामले में अलग निर्णय लिया जाता है तो ऐसे मामले में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनेगी जिसमें विभाग के सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव शामिल होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा बनाए नियमों में कहा गया है कि जो कमेटी बनाई जाएगी वह वर्ष 2024 से 2028 तक की विभागीय पदोन्नति समिति के लिए लागू मानी जाएगी। पांच साल के बाद इस कमेटी को फिर नए सिरे से बदला जा सकेगा। विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक हर पदोन्नति के लिए साल में एक बार होगी। 31 दिसम्बर 2025 तक की पदोन्नति रिक्तियों के लिए एक विशेष विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक नियम लागू होने के बाद होगी। इसके बाद हर साल विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक सितम्बर से नवम्बर के बीच ही होगी। इसमें 31 दिसम्बर के पहले की स्थिति में रिक्त होने वाले पदोन्नति संबंधी पदों पर विचार किया जाएगा। नियम लागू होने के बाद 31 दिसम्बर 2025 की स्थिति में रिक्त पदों पर पदोन्नति के लिए विशेष विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक होगी। सितम्बर से नवम्बर के बीच प्रतीक्षा सूची से भी पद नहीं भरने पर 31 दिसम्बर 2026 की प्रत्याशित स्थिति के लिए पदोन्नति समिति की बैठक होगी।

11 साल बेमिसाल व विकसित भारत संकल्प चौपाल सभा का आयोजन हुआ

अफजलपुर/नाहरगढ (तुलसीराम राठौर)

मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गुर्जर बर्डिया मंडल के ग्राम अफजलपुर एवं ईशाकपूर पंचायत में आयोजित विकसित भारत संकल्प चौपाल सभा आयोजन हुआ।मोदी सरकार के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित चौपाल सभा में गुर्जर बढ़िया मंडल अध्यक्ष भेरुलाल सेन, पुर्व मंडल अध्यक्ष जीवन शर्मा, उपाध्यक्ष रुघनाथ सिंह चंद्रावत व राजेंद्र राठौर, कार्यक्रम प्रभारी ओम पाटीदार व रुघनाथ सिंह चंद्रावत ,स्थानीय प्रभारी अमित सेन ,विनोद भावसार उपस्थित हुए । चौपाल सभा मे मंडल अध्यक्ष भेरूलाल सेन ने मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।इस अवसर पर नगर अध्यक्ष दिलीप पोरवाल, विनोद भावसार, दशरथ, सरपंच गोपाल गुर्जर ,जनपद सदस्य प्रतिनिधि डॉ सुभाष जैन ,नितिन मुंजी, पुर्व सरपंच देवीलाल गुर्जर, बंशीलाल पाटीदार ,उदयलाल गुर्जर, उप सरपंच सुरेश , अनिल पाटीदार ,गोपाल दास , महेश पाटीदार, पुष्कर शर्मा सहित ग्रामवासी एवं देवतुल्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

स्वत्वाधिकार, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक महेन्द्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्ट्स हाउस नं. 59, जी-सैक्टर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अयोध्या नगर भोपाल से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।, मो. 9074692488, 9340719851. Email - navneet.expresss33@.com पीआर.बी. एक्ट के तहत खबरों के लिये जिम्मेदार- RNI-MPHIN/2016/71355